राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार, २५ अप्रैल २०२१ वर्ष-४, अंक -९१ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१ रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

पहले अध्ययन में डबल म्यूटेंट वैरिएंट के खिलाफ कारगर मिली 'कोविशील्ड'

नई दिल्ली। एक अध्ययन के प्रारंभिक परिणामों से पता चला है कि कोविशील्ड वैक्सीन कोरोना वायरस के डबल म्यूटेंट वैरिएंट (बी.1.617) से भी सुरक्षा प्रदान करती है। सेंटर फार सेल्युलर एंड मोलिक्यूलर बायोलाजी (सीसीएमबी) के निदेशक राकेश मिश्रा ने गुरुवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह अध्ययन वैज्ञानिक एंव औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआइआर) के संस्थान सीसीएमबी ने ही किया है। बता दें कि कोविशील्ड आक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका द्वारा विकसित वैक्सीन है जिसका उत्पादन सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया (एसआइआइ) कर रहा है।

डबल म्यूटेंट वायरस के बारे में-वहीं विज्ञानियों ने दावा किया है कि देश में कोरोना वायरस के एक नए वैरिएंट

बता दें कि नए वैरिएंट का पता सबसे पहले बंगाल में ही लगा था।

(स्वरूप) का पता लगा है जो तेजी से फैल सकता है और मानव शरीर की प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्युनिटी को चकमा देने में सक्षम है। हालांकि, इस बात का कोई सुबूत नहीं है कि नए वैरिएंट के कारण देश में या बंगाल में वायरस संक्रमण के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। बता दें कि नए वैरिएंट का पता सबसे पहले बंगाल में ही लगा था। नए स्वरूप को बी.1.618 नाम दिया गया है, जो बी.1.617 से अलग है और इसे डबल म्यूटेंट वायरस के रूप में भी जाना जाता है। माना जा रहा है कि देश में दूसरी लहर में कोरोना संक्रमण के मामलों में तेजी से वृद्धि के पीछे यही वैरिएंट है। नई दिल्ली स्थित सीएसआइआर-इंस्टीट्यूट आफ जीनोमिक एंड इंटीग्रेटिव बायोलाजी (सीएसआइआर-आइजीआइबी) के निदेशक अनुराग अग्रवाल ने कहना है कि चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। क्योंकि इससे बचाव के लिए मानक सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों की जरूरत है।

कोरोना संकट पर बोली शिवसेना

अगर सुप्रीम कोर्ट ने पीएम की रैली और कुंभ पर ध्यान दिया होता तो...

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की दूसरी लहर हर दिन भयावह होती जा रही है। वहीं कई राज्यों में चुनाव और उसके लिए रैलियों को भी इसकी वजह बताया जा रहा है। ऐसे में शिवसेना ने भी अपने मुखपत्र सामना में चुनावी रैलियों को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। सामना में लिखा है - कोरोना एक राष्ट्रीय आपदा है और इस आपदा से लड़ने के लिए केंद्र सरकार ने क्या योजना बनाई है, इसकी जानकारी सुप्रीम कोर्ट ने अब मांगी है। देश की गंभीर कोरोना स्थिति का संज्ञान सुप्रीम कोर्ट ने खुद लिया है। खुशी की बात है, परंतु पश्चिम बंगाल के राजनीतिक नेताओं के, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री के लाखों के रोड शो और हरिद्वार में कुंभ मेले का सुप्रीम कोर्ट ने सही समय पर संज्ञान में लिया होता तो लोगों पर इस तरह सड़क पर तड़पकर मरने की नौबत नहीं आई होती।

कोरोना का नरक बन गया है हिंदुस्तान-इसमें आगे लिखा है कि दिल्ली के एक गंगाराम अस्पताल में ऑक्सीजन कम होने से 24 घंटों में 25 कोरोना मरीज मर गए। यह देश की राजधानी की स्थिति है। इस स्थिति के

खुशी की बात है, परंतु पश्चिम बंगाल के राजनीतिक नेताओं के, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री के लाखों के रोड शो और हरिद्वार में कुंभ मेले का सुप्रीम कोर्ट ने सही समय पर संज्ञान में लिया होता तो लोगों पर इस तरह सड़क पर तड़पकर मरने की नौबत नहीं आई होती।

लिए देश की केंद्र सरकार जिम्मेदार नहीं होगी तो कौन जिम्मेदार है? हिंदुस्तान कोरोना का नरक बन गया है, ऐसा अब विदेशी अखबारों में प्रकाशित होने लगा है। इससे प्रधानमंत्री मोदी की विदेशों में क्या प्रतिष्ठा बची है?

चुनावी रैलियों में तोड़े गए कोरोना नियम-गौरतलब है कि चुनावी रैलियों में सैकड़ों लोगों को कोविड-19 नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए देखा गया था, चुनाव आयोग (ईसीआई) ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल चुनाव के शेष चरणों के लिए रोडशो और रैलियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। चुनाव आयोग ने कहा है कि किसी भी सार्वजनिक बैठक में 500 से अधिक लोगों की अनुमति नहीं दी जाएगी। आदेश के बाद, पीएम मोदी, अमित शाह और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने राज्य में अपनी रैलियां रद्द कर दी हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी 18 अप्रैल को पश्चिम बंगाल में अपनी सभी रैलियों को स्थगित कर दिया था और अन्य नेताओं से कोरोना नियमों का पालन करने का आग्रह किया था। इधर, उत्तराखंड के हरिद्वार में चल रहे कुंभ मेले में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। हालाँकि, पीएम मोदी ने पिछले हफ्ते स्वामी अवधेशानंद गिरि से अपील की कि तेजी से फैल रहे वायरस को देखते हुए कुंभ मेले को 'प्रतीकात्मक' कार्यक्रम में तब्दील किया जाए।

वसूली मामले में बड़ा एक्शन

सीबीआई ने अनिल देशमुख के खिलाफ दर्ज की एफआईआर, कई जगहों पर छापेमारी

मुंबई। वसूली के आरोपों की वजह से कुर्सी गंवाने वाले महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ सीबीआई ने बड़ा एक्शन लिया है। सीबीआई ने कथित वसूली मामले में अनिल देशमुख के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है और उनके कई ठिकानों पर तलाशी कर रही है। बता दें कि बीते दिनों सीबीआई ने अनिल देशमुख` पूछताछ भी की थी। मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह की ओर से लगाए गए आरोपों के बाद अनिल देशमुख को अपनी कुर्सी गंवानी पड़ी और हाईकोर्ट के आदेश पर उनके खिलाफ सीबीआई ने जांच शुरू की है। बीते दिनों अनिल देशमुख से पूछताछ करने से पहले रविवार को केंद्रीय एजेंसी ने अनिल देशमुख के दो निजी सहायकों से पूछताछ की थी। इसके अलावा एजेंसी ने एनआईए की गिरफ्त में चल रहे मुंबई पुलिस के निलंबित सचिन वाझे के दो ड्राइवरों से भी पूछताछ की थी उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के बाहर विस्फोटक वाली कार मिलने के मामले में एपीआई सचिन वाझे की गिरफ्तारी के बाद पद से हटाए गए परमबीर सिंह ने मुख्यमंत्री को खत लिखकर आरोप लगाया था कि वाझे को अनिल देशमुख ने हर महीने 100 करोड़ रुपए की वसूली का आदेश दिया था। हाल ही में वाझे ने भी एनआईए कोर्ट को लिखे खत में ये आरोप लगाए हैं। गृह मंत्री अनिल देशमुख ने मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह के वसूली संबंधी आरोपों पर हाई कोर्ट द्वारा सीबीआई जांच का आदेश दिए जाने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। एनसीपी नेता नवाब मलिक ने प्रेंस कॉन्फ्रेंस के जरिए यह जानकारी

साझा की थी कि देशमुख ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। देशमुख ने भी इस्तीफे की एक प्रति ट्वीट कर बताया था कि अधिवक्ता जयश्री पाटिल की याचिका पर हाई कोर्ट ने आरोपों की सीबीआई जांच का आदेश दिया है। उन्होंने लेटर में लिखा था, अदालत के आदेश के बाद मेरे पास पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है। मैंने पद छोड़ने का निर्णय किया है। कृपया मुझे मेरे पद से कार्यमुक्त करें।

अगावा किए गए पुलिस अधिकारी की नक्सलियों ने की हत्या

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने एक पुलिस जवान की हत्या कर दी है। एक अधिकारी ने शनिवार को जानकारी दी कि नक्सली, इंस्पेक्टर को तीन दिन पहले बीजापुर जिले से अगवा कर ले गए थे। पुलिस अधीक्षक कमलोचन कश्यप ने बताया कि 21 अप्रैल को मुरली ताती जब पलनार स्थित अपने घर आए थे तब नक्सलियों ने उन्हें बीजापुर से अगवा किया था।नक्सलियों ने मुरली के शव को एक गांव के पास गंगालूर में फेंक दिया। शव के पास एक संदेश भी दिया गया था जिसमें लिखा था- 'जनता की अदालत ने इसे सजा दी है'। इस माह छत्तीसगढ़ के सुकमा-बीजापुर क्षेत्र में एक नक्सली हमले में कम से कम 22 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए हैं और 30 से अधिक सुरक्षाकर्मी घायल हो गए हैं। एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुरली ताती सहायक कांस्टेबल के रूप में पुलिस में शामिल हुए थे और

बीजापुर में कुछ सबसे महत्वपूर्ण नक्सल विरोधी अभियानों में शामिल रहे हैं। वह एक लंबे समय से माओवादियों की हिट-लिस्ट में थे।

अचानक घर से निकल गए थे

ताती की पत्नी मैनू ताती ने बताया कि वे एक दिन अचानक घर से निकल गए थे। उन्होंने बताया कि बाद में जानकारी मिली कि नक्सलियों ने उसके पति का अपहरण कर लिया है। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले के पालनार गांव से बुधवार को नक्सलियों ने पुलिस उप निरीक्षक मुरली ताती का अपहरण कर लिया था।

दिल्ली के कब्रिस्तान में नहीं बची जगह, लौटाए जा रहे शव

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण में बढोतरी का दौर जारी है। इस वजह से एक तरफ जहां अस्पतालों की व्यवस्था चरमराई हुई। जिसके तहत मरीजों को बेड के लिए इंतजार के साथ मशक्कत के बाद ही निराशा मिल रही हैं। तो वहीं अब कोरोना संक्रमित शवों को भटकना पड़ रहा है। आलम यह है कि दिल्ली के प्रमुख कब्रिस्तान में कोरोना संक्रमित शवों को दफनाने की जगह नहीं बची है, जिसके बाद शवों को कब्रिस्तान से लौटाया जा रहा है।

शास्त्री पार्क में बंद हुआ कोरोना संक्रमित मयतों का प्रवेश, 3 मयत लौटाई गई-क्रबिस्तानों में कम होती जगह के तहत कब्रिस्तान कमेटियों ने अब कोरोना संक्रमित शवों को प्रवेश देना भी बंद कर दिया है। जिसके तहत शास्त्री पार्क क्रबिस्तान में कोरोना संक्रमित शवों की मयतों के प्रवेश पर रोक लगा दी है। इसी कड़ी में शुक्रवार को 3 मयत लौटाई गई हैं। कमेटी के सदस्य सुलेमान ने बताया कि इस महीने 100 से अधिक

● क्रबिस्तानों में कम होती जगह के तहत कब्रिस्तान कमेटियों ने अब कोरोना संक्रमित शवों को प्रवेश देना भी बंद कर दिया है।

कोरोना संक्रमित शव कब्रिस्तान में दफनाए गए हैं। अब कब्रिस्तान में जगह नहीं बची है। ऐसे में अब कोरोना संक्रमित शवों की मयत के प्रवेश को बंद कर दिया गया है। शुक्रवार को एक भी कोरोना संक्रमित शव नहीं दफनाया गया है, और ऐसी 3 मयत वापस लौटाई गई हैं।

आईटीओ जदीद क्रबिस्तान से 4 शवों को वापस लौटाया गया-आईटीओ जदीद कब्रिस्तान में पहुंची 4 मयतों को शुक्रवार को निरशा हाथ लगी है। जिसके तहत दफनाने के लिए जगह ना होने के चलते गेट से 4 मयतों को वापस लौटना पड़ा है। जदीद कब्रिस्तान कमेटी के सदस्य शमीम के मुताबिक शुक्रवार को 14 कोरोना शव क्रिबस्तान में दफनाए गए हैं। तो वहीं 4 मयतों को वापस लौटाया गया है। कब्रिस्तान में जगह कम बचे होने की वजह से दूसरी क्षेत्रों की मयतों को वापस लौटाने का फैसला लिया गया है। अब कब्रिस्तान में 40 से 50 मयतों को दफनाने की जगह ही बची है। जिसमें सिर्फ इस क्षेत्र से आने वाले कोरोना संक्रमित शवों को ही दफनाया जाएगा।

आवश्यक चीजों की आपूर्ति पर नजर रखेगा केंद्र, निगरानी के लिए बनाया कंट्रोल रूम

नई दिल्ली। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने कोविड-19 महामारी के इस दौर में आवश्यक चीजों के आंतरिक व्यापार, विनिर्माण, आपूर्ति और पहुंचाने की सुविधाओं पर निगाह रखने के लिए एक नियंत्रण कक्ष स्थापित कर रहा है। विभाग ने जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि जो कंपनियां माल के परिवहन और वितरण या संसाधनों की व्यवस्था करने में कठिनाई का सामना कर रही हैं, वे नियंत्रण कक्ष के नंबर-(011) 23062383, 23062975 पर अधिकारियों से संपर्क कर सकती है। वे अपनी समस्या ईमेल- डीपीआईआईटी-कंट्रोलरूम एट गॉव डॉट इन पर भी लिख सकती है। यह सुविधा विनिर्माण , परिवहन, वितरण , थोक या ई-वाणिज्य किसी भी प्रकार का काम करने वाली कंपनियों के लिए खुली है। उपरोक्त टेलीफोन नंबर सुबह आठ बजे से रात दस बजे तक काम करेंगे। नियंत्रण कक्ष को मिली शिकायत को संबंधित राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों के समक्ष उठाया जाएगा।

विभाग जरूरी चीजों की ढुलाई और आपूर्ति तथा विनिर्माण की स्थति पर निगह रखेगा ताकि वायरस का संक्रमण रोकने के लिए राज्यों और संघ शासित क्षेत्र के प्रशासन् द्वारा लागू पाबंदियों की वजह से जरूरी चीजों के विनिर्माण और वितरण तथा आपूर्ति की समस्या न खड़ी हो।

कोरोना कर्फ्यू में भी फैक्ट्रियां चलेंगी और उत्पादन जारी रहेगा

लखनऊ। राज्य में कोविड के बढ़ते संक्रमण के बीच आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति तथा उत्पादन और रोजगार की निरंतरता के लिए राज्य में औद्योगिक इकाइयां निरंतर चलती रहेंगी। रात्रिकालीन कोरोना कर्फ्यू की अवधि में भी सरकार के अगले आदेश तक किसी भी फैक्ट्री/उत्पादन इकाई में उत्पादन बंद नहीं होगा। ना ही कोई इकाई बंद होगी। जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे के कि दवाएं, सेनेटाइजर, चिकित्सीय उपकरणों के साथ ही खाद्य पदार्थ, ब्रेड, बिस्किट, आटा, चावल, दाल, खाद्य तेल, चीनी, पीने का पानी, दुग्ध उत्पाद तथा अन्य जरूरी उत्पादों के उत्पादन पर कोई असर ना पड़े। मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी ने इसके लिए विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए हैं। जो भी कार्मिक इन एमएसमई इकाइयों में कार्यरत हैं उन्हें प्रोत्साहित करने का काम इकाई प्रबंधन के साथ ही उपायुक्त जिला उद्योग एवं श्रम तथा अन्य विभागों के अधिकारी करेंगे।

दूर से आने वाले कार्मिकों के रहने का प्रबंध उद्योग परिसर में करने का सुझाव-इकाइयों में कोविड प्रोटोकाल का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। वह इकाई जहां पर बड़ी संख्या में कार्मिक कार्यरत हैं वहां दूर से आने वाले कार्मिकों को सुरक्षित रहने का प्रबंध संबंधित इकाई परिसर में ही किए जाने का सुझाव दिया गया है। जिलाधिकारी जिले के सीएमओ के माध्यम से यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी कार्मिकों का एंटीजन टेस्ट तथा लक्षण वाले कार्मिकों की आरटीपीसीआर जांच हो जाए।

मेडिकल तथा कोविड से जुड़े उत्पादों का उत्पादन बढ़ाने के निर्देश

जिन जिलों में मेडिकल किट, दवाईयां तथा कोविड से बचाव व इलाज से संबंधित इकाइयां हैं उनकी उत्पादन क्षमता बढ़ाने को कहा गया है। उत्पादन, आपूर्ति तथा ट्रांसपोटेशन में इकाई प्रबंधन को कोई दिक्कत ना हो यह व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। जिन जिलों में सैनिटाइजर बनाने के लिए एल्कोहल के लिए चीनी मिल अधिकृत हैं वहां पर इकाइयों के लाइसेंस, उत्पादन तथा आपूर्ति की निरंतरता की बाधाएं दूर करने को कहा गया है। एमएसएमई इकाइयों को मास्क, पीपीई किट, ग्लब्स, सैनिटाइजर, पैकेजिंग तथा कोविड से जुड़े अन्य उत्पादों को बढ़ाने में पूरा सहयोग दिया जाएगा। ऐसी इकाइयों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने की कोशिश करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रवासी मजदूरों की सूची तैयार कर स्किल मैपिंग की जाएगी-संभावना जताई गई है कि आने वाले दिनों में प्रवासी मजदूर बड़ी तादाद में अपने घरों को वापस आ सकते हैं। ऐसे श्रमिकों की सूची तैयार कराने को कहा गया है। इन प्रवासी श्रमिकों के हुनर का उपयोग विभिन्न क्रियाकलापों तथा उत्पादन में करने को कहा गया है ताकि इन श्रमिकों के समक्ष रोजगार का संकट ना उत्पन्न हो। जिला सेवायोजन अधिकारी इनका स्किल मैपिंग कराएंगे। जिलाधिकारी यह भी सुनिश्चित करेंगे कि खाद्य पदार्थ, ब्रेड, बिस्किट, आटा, चावल, दाल, खाद्य तेल, चीनी, पीने का पानी, दुग्ध उत्पाद के उत्पादों पर कोई विपरीत प्रभाव ना पड़े।

क्या कोरोना से ठीक होने के बाद भी नहीं टलता मौत का खतरा? जानें क्या कहती है यह रिपोर्ट

नई दिल्ली। कोरोना से ठीक हो चुके लोगों में अगले छह महीनों तक मौत का खतरा 65 फीसदी अधिक रहता है। इनमें वह लोग भी शामिल हैं जिन्हें कोराना से संक्रमित होने पर भर्ती कराने की जरूरत नहीं पड़ती। यानी कोरोना से उबर जाने के बाद भी मौत का खतरा टलता नहीं है। यह जानकारी कोविड-19 के बारे में अब तक के सबसे व्यापक अध्ययन में सामने आई है। नेचर जर्नल में गुरुवार को प्रकाशित शोध रिपोर्ट में अध्ययनकर्ताओं ने बताया कि आने वाले सालों में दुनिया की आबादी पर इस बीमारी से बड़ा बोझ पड़ने वाला है। अध्ययन के वरिष्ठ लेखक और मेडिसिन के सहायक प्रोफेसर जियाद अल-अली कहते हैं कि कोरोना संक्रमण का पता लगने के छह महीने के अंदर मौत का जोखिम कम नहीं होता भले ही कोरोना वायरस से मामूली रूप से प्रभावित हुए हों। शोधकर्ताओं ने पाया कि संक्रमण का पता चलने के 30 दिनों बाद कोरोना से ठीक हुए

लोगों में अगले छह महीनों तक आम आबादी के मुकाबले मौत का जोखिम 60 प्रतिशत तक ज्यादा होता है। छह महीने की सीमा तक कोरोना के मामूली संक्रमण से ठीक हुए प्रति 1000 लोगों में मौत के आठ मामले अधिक मिले। कोरोना के ऐसे मरीज जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत पड़ती है, उनमें ठीक होने के बाद प्रति 1000 लोगों पर 29 मौतें अधिक हुईं।

वायरस एक परेशानी अनेक-अमेरिका में वाशिंगटन विश्वविद्याल में स्कूल ऑफ मेडिसिन के अध्ययनकर्ताओं ने कोरोना से संबद्ध विभिन्न बीमारियों की एक सूची उपलब्ध कराई है जो महामीर के कारण लंबे समय में होने वाले परेशानियों से संबंधित है। यह वायरस शरीर में दीर्घकालिक रूप से समस्याएं उत्पन्न करता रहेगा।

हर अंग पर असर-वैज्ञानिकों ने पुष्टि की कि कोरोना शुरू में भले ही सांस रोग से जुड़े एक वायरस के तौर पर सामने आया है। लेकिन यह दीर्घकाल में शरीर के लगभग हर अंग-तंत्र को प्रभावित कर सकता है।

साढ़े 50 लाख से अधिक संक्रमितों पर अध्ययन-इस अध्ययन में 87000 कोरोना सें गंभीर रूप से संक्रमित मरीजों के अलावा 50 लाख उन मरीजों को शामिल किया गया जो कोरोना से उबर चुके थे। इस दौरान कोरोना से ठीक हुए मरीजों में इसके विभिन्न दुष्प्रभाव सामने आए। इन दुष्प्रभावों में सांस की समस्या, अनियमित दिल की धड़कन, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं और बालों का गिरना शामिल है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मरहम का वक्त

ऑक्सीजन का अभाव न केवल दुखद, बल्कि पूरे देश के लिए एक अवसर भी है। यह सबक है कि हम अपनी स्वास्थ्य व्यवस्था को इस तरह दुरुस्त करने में लग जाएं कि फिर कभी ऐसी महामारी आए भी, तो हमें परेशान न करे। अकेले दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में अगर 24 घंटे में 25 मरीजों की मौत हुई है, तो देश के दूसरे अस्पतालों में क्या हो रहा होगा, इसका अंदाजा हम सहज ही लगा सकते हैं। यदि बहुत बीमार मरीजों की मौत हुई है, तो भी यह हमारे लिए बड़े दुख की बात है, लेकिन अगर ये मौतें ऑक्सीजन से जुड़ी किसी कमी के कारण हुई हैं, तो हमारी व्यवस्था के लिए शर्मनाक है। निजी अस्पतालों को सुविधाओं और संसाधनों के लिए जाना जाता है, ऐसे ही अस्पतालों में गंगाराम अस्पताल भी शामिल है। ऐसे अस्पतालों से यह भी उम्मीद की जाती है कि वे सार्वजनिक अस्पतालों के सामने एक आदर्श पेश करेंगे। सार्वजनिक अस्पतालों पर जो दबाव बना हुआ है, वह कोई नया नहीं है, लेकिन जब निजी अस्पताल भी हांफने लगे हैं, तब यह पूरे देश के लिए चिंता की बात है। विगत दशकों में जिस तरह से निजी अस्पतालों को फलने-फूलने दिया गया है और जिस तरह से निजी अस्पतालों का आकार-प्रकार व संख्या बढ़ी है, उसी हिसाब से उनसे उम्मीदें भी हैं। दिल्ली में ऑक्सीजन की कमी से आपात स्थिति है, तो प्रधानमंत्री के साथ बैठक में भी इस पर तकरार आश्चर्य की बात नहीं है। नेताओं के बीच तकरार बढ़ना तय है, क्योंकि दोषारोपण की प्रवृत्ति पुरानी है, लेकिन अब जब नेताओं के बीच संघर्ष हो, तो आम लोगों को सचेत रहना चाहिए और याद रखना चाहिए कि जब जरूरत थी, तब राजनीतिक दल कैसा व्यवहार कर रहे थे? यह समय पार्टियों के झंडे लहराने का नहीं है, अब बात देश के झंडे पर आ गई है। भारत कोरोना ही नहीं, अभावों का भी एक बड़ा केंद्र नजर आ रहा है। अभी महीने भर पहले ही हम दवाओं और टीके का अंतरराष्ट्रीय वितरण कर वाहवाही बटोर रहे थे। अब समय आ गया है कि हम अपनी मांग पहले पूरी करें। दुनिया इस बात को समझती है कि भारत एक बड़ी आबादी वाला देश है और यहां चिकित्सा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखना उतना आसान नहीं है। हमने देखा है, जब अमेरिका या यूरोपीय देशों में कोरोना की लहर चरम पर थी, तब वहां भी चिकित्सा सेवाओं का ऐसा ही हाल था। पर उन देशों ने युद्ध स्तर पर इंतजाम किए। एक दवा कम पड़ी थी, तो डोनाल्ड ट्रंप भारत पर लगभग भड़क उठे थे। आज ट्रंप की उस नाराजगी को समझा जा सकता है। सोचिए, राष्ट्रीय राजधानी जब ऑक्सीजन मांग रही है, तब देश के बाकी इलाकों में क्या स्थिति होगी? राज्य सरकारों को भी स्वास्थ्य क्षेत्र में अपनी भूमिका को अच्छे से समझने की जरूरत है। राज्यों में विशेष रूप से बुनियादी सुविधाओं के लिए केंद्र सरकार से जरूरी संसाधन व धन मांगने की प्रवृत्ति होनी चाहिए। कोरोना हमें रुला-रुलाकर जो सिखा रहा है, वह हमें भूलना नहीं चाहिए। विफलता को मानने और गलतियां सुधारने की योग्यता-क्षमता होनी चाहिए। ऐसे मुश्किल समय में किसे राजनीति सूझ रही है, जरूर दर्ज होना चाहिए। गंगाराम या नासिक के हादसे तो चंद उदाहरण हैं कि सरकारें संभाल नहीं पा रही हैं। यह लोगों के दुख-दर्द पर मरहम लगाने का वक्त है, जो सरकारें इस काम को अंजाम देंगी, देश उन्हें हमेशा याद रखेगा।

आज के ट्वीट

कीमत

------- 'कड़वा सच'

एक बीमारी ने सबको ऑक्सीजन की कीमत बता दी . थोड़ी देर तक ऑक्सीजन देने वाले सिलिंडर लाखों में बिक रहे है लेकिन मुफ्त में ऑक्सीजन देने वाले पेड़ पौधों की हम कद्र नहीं करते है. -- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

जियो और जीने दो का संदेश देते हैं भगवान महावीर

देवेन्द्रराज सुथार

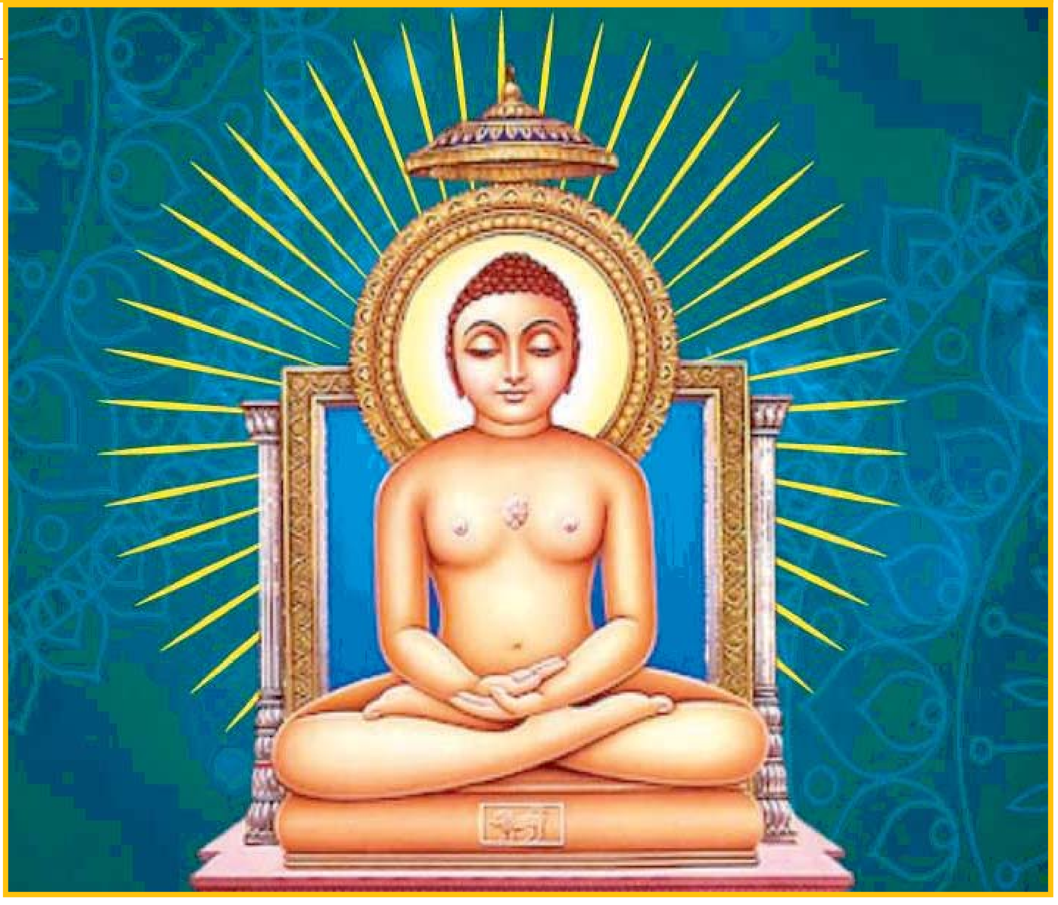

अहिंसा परमो धर्मः अर्थात अहिंसा सब धर्मों में सर्वोपरि है। सत्य और अहिंसा की जब भी बात होती है तो हमारे जहन में सबसे पहले महात्मा गांधी का नाम आता है लेकिन महात्मा गांधी से भी पहले एक ऐसी महान आत्मा ने इस जगत का अपने संदेशों के जरिये मार्गदर्शन किया था। जिन्होंने सबसे पहले अहिंसा का मार्ग अपनाने के लिये लोगों को प्रेरित किया। जिन्होंने लोगों को जियो और जीने दो का मूल मंत्र दिया। ये महान आत्मा कोई और नहीं बल्कि जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर (जिन्हें जैन धर्मावलंबी भगवान का दर्जा देते हैं) भगवान महावीर थे। हर साल देश दुनिया में चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को भगवान महावीर के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है। भगवान महावीर सत्य, अहिंसा और त्याग की जीती जागती मूर्ति थे। देखा जाये तो उनका पूरा जीवन मानवता की रक्षा हेतु अनुकरणीय लगता है। 599 ईसवीं पूर्व बिहार में लिच्छिवी वंश के महाराज सिद्धार्थ के घर इस महापुरुष ने चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को जन्म लिया, इसी कारण इस दिन को महावीर जयंती के रूप में दुनिया भर में मनाया जाता है। इनकी माता का नाम त्रिशिला देवी था। उनके बचपन का नाम महावीर नहीं बल्कि वर्धमान रखा गया था। माना जाता है कि जब महाराज सिद्धार्थ ने ज्योतिषाचार्यों को उनकी कुंडली दिखाई तो उसके अनुसार चक्रवर्ती राजा बनने की घोषणा की गई थी। इसके लक्षण जन्म से उनके तत्कालीन राज्य कुंडलपुर का वैभव दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ती गई। वे राज परिवार में पैदा हुए थे तो समझा जा सकता है कि धन-दौलत और ऐशो आराम के सारे साधन उन्हें सुलभ थे लेकिन उन्होंने त्याग का रास्ता चुना और जगत में मानवता का संदेश दिया। युवावस्था में पहुंचते ही उन्होंने ठाठ-बाट का अपना राजसी जीवन त्याग कर अपने जीवन का यथार्थ खोजने और दुनिया को मानवता का संदेश देने नंगे पैर निकल पड़े।जैन धर्म के अनुयायी मानते हैं कि वर्धमान ने कठोर तप कर अपनी इंद्रियों को जीत लिया, जिससे उन्हें जिन (विजेता) कहा गया। उनका यह तप किसी पराक्रम से कम नहीं माना जाता, इसी कारण उन्हें महावीर कहा गया और उनके मार्ग पर चलने वाले जैन कहलाये। जैन का तात्पर्य ही है जिन के अनुयायी। जैन धर्म का अर्थ है - जिन द्वारा परिवर्तित धर्म। भगवान महावीर 24वें तीर्थंकर हैं और वर्धमान के रूप में जन्म लेने के उनके ऐतिहासिक तथ्य भी मौजूद हैं। यह भी सही है कि उन्होंनें त्याग का मार्ग चुना और सुख-सुविधाओं का जीवन त्याग दिया। लेकिन उनके जीवन के साथ कुछ अलौकिक घटनाएं भी जोड़ी जाती हैं। एक मान्यता के अनुसार कहा जाता है कि जब वे बालक थे तो सुमेरू पर्वत पर इंद्र देवता उनका जलाभिषेक कर रहे थे। लेकिन वे घबरा गये कि कहीं बालक बह न जाये इसलिये उन्होंने जलाभिषेक रुकवा दिया। कहा जाता है कि भगवान महावीर ने इंद्र के मन के भय को भांप लिया और अंगूठे से पर्वत को दबाया तो पर्वत कांपने लगा। यह सब देखकर देवराज इंद्र ने जलाभिषेक तो किया ही साथ में उन्हें वीर के नाम से भी संबोधित किया। बाल्यकाल के ही एक और चमत्कार को बताया जाता है कि एकबार वे महल के आंगन में खेल रहे थे तो संजय और विजय नामक मुनि सत्य और असत्य का भेद नहीं समझ पा रहे थे। इसी रहस्य को जानने के लिये दोनों आसमान में उड़ते हुए जा रहे थे कि उनकी नजर दिव्य शक्तियों से युक्त महल के आंगन में खेल रहे बालक पर पड़ी। उन्होंने जैसे ही बालक के दर्शन किये उनकी तमाम शंकाओं का समाधान हुआ। दोनों मुनियों ने उन्हें सन्मति नाम से पुकारा। एक और वाकया अक्सर उनके पराक्रम की गाथा कहता है। बात है उनकी किशोरावस्था की, बताया जाता है कि एक बार वे अपने कुछ साथियों के साथ खेल रहे थे एक बड़ा ही भयानक फनधारी सांप वहां दिखाई दिया, उस मौत को अपने सिर पर खड़ा देखकर सभी भय से कांपने लगे, जिन्हें मौका मिला वे भाग खड़े हुए लेकिन वर्धमान महावीर अपनी जगह से एक इंच नहीं हिले, न ही उनके मन में किसी तरह को कोई भय था। जैसे ही सांप उनकी तरफ बढ़ा तो वे तुरंत उछल कर सांप के फन पर जा बैठे। उनके भार से सांप को अपनी जान के लाले पड़ गये तभी एक चमत्कार हुआ और सांप ने सुंदर देव का रूप धारण कर लिया और माफी मांगते हुए कहा कि प्रभु मैं आपके पराक्रम को सुनकर ही आपकी परीक्षा लेने पहुंचा था मुझे माफ करें। आप वीर नहीं बल्कि वीरों के वीर अतिवीर हैं। इन्हीं कारणों से माना जाता है कि वर्धमान महावीर के वीर, सन्मति, अतिवीर आदि नाम भी लिये जाते हैं। वैसे तो उनका पूरा जीवन ही एक संदेश है, अनुकरणीय है लेकिन उन्होंने जो मूल मंत्र दिया वह अहिंसा परमो धर्म का है, जियो और जीने दो का है। उन्होंने कहा कि हमें किसी भी रूप में किसी भी स्थिति में कभी भी हिंसा का मार्ग नहीं अपनाना चाहिये। जब वे अहिंसा की बात करते हैं तो यह सिर्फ मनुष्यों तक सीमित नहीं बल्कि समस्त प्राणियों के बारे में हैं। जब अहिंसा की बात करते हैं तो यह सिर्फ शारीरिक हिंसा नहीं वरन् मन, वचन और कर्म किसी भी रूप में की जाने वाली हिंसा की मनाही है। इसी प्रकार उन्होंने सत्य का पालन करने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि मनुष्य को मन, वचन और कर्म से शुद्ध होना चाहिये। ब्रह्मचर्य का पालन करने का भी उन्होंने संदेश दिया। साथ ही उन्होंने अपने जीवनकाल में भ्रमण करने पर भी जोर दिया, उनका मानना था कि इससे ज्ञानार्जन होता है और भ्रमण ज्ञानार्जन का एक बेहतरीन जरिया है। अपने मन, वचन अथवा कर्म किसी भी रूप में चोरी करने को भी उन्होंने महापाप करार दिया है। (लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

नम्रता

जग्गी वासुदेव

जब आप कहते हैं कि आप आध्यात्मिक रास्ते पर हैं तो इसका मतलब है कि आप सत्य की खोज कर रहे हैं। पर आप किस तरह का सत्य पाना चाहते हैं? साधारण रूप से, अधिकतर लोग-चाहे वे मंदिर जाते हों या चर्च या मस्जिद या आश्रम- कुछ ऐसा पाना चाहते हैं जो उन्हें कुछ दे, उनकी मांगें पूरी हों, कुछ जो उनका फायदा कराए। पर जो वास्तव में, सही में सत्य की खोज कर रहा है, उसके लिए सत्य कुछ देता नहीं है। वो तो सब कुछ हड़प लेता है। सत्य उस होशियार इंसान के लिए नहीं है जो इस दुनिया में 'कुछ' बनना चाहता है। हर कोई कुछ न कुछ जीतना चाहता है। सिर्फ कोई बेवकूफ ही 'कुछ नहीं' बनना चाहेगा। मूर्ख ही समर्पण करना और हार जाना चाहेगा! उन मूखरे की लंबी परंपरा है जो समर्पण करना चाहते हैं, जो 'कुछ नहीं' होना चाहते, जो गर्वीले मनुष्य की तरह नहीं, बस मिट्टी की तरह, जमीन की तरह रहना चाहते हैं। शिव ने देखा कि ये मूर्ख दुनिया में कुछ नहीं कर पाएंगे, तो उन्होंने उन्हें गले लगा लिया। चतुरता नहीं, बल्कि अपनी सरलता की वजह से उन लोगों ने कृपा पा ली। आप होशियार और ताकतवर हैं तो आपके लिए दुनिया के दरवाजे खुल सकते हैं, या लोग करुणावश आपके लिए दरवाजे खोल सकते हैं। पर ऐसे लोगों की पूरी परंपरा है जिन्हें रेंग कर भी पार जाने में कोई शर्म नहीं। ये बेशर्म लोग हैं-उन्हें कोई शर्म नहीं, न ईर्ष्या, न गुस्सा आता है, कुछ भी नहीं। अहंकार या गर्व भी नहीं होता। ये वो लोग हैं जो मुक्ति पा लेते हैं। भारतीय संस्कृति में बिल्कुल भी जरूरी नहीं है कि आप मंदिर में जाएं। हर कोई, वो चाहे जहां हो, एक पल में, किसी भी चीज को भगवान बना सकता है। यह अद्भुत तकनीक है, निर्माण करने की जबरदस्त कुशलता है। पत्थर के टुकड़े को भी भगवान बनाया जा सकता है और आप देखेंगे कि कल सुबह हजारों लोग उसकी पूजा कर रहे होंगे। पत्थर के टुकड़े के सामने भी झुक जाने की इनकी इच्छा गजब की है। किसी के सामने झुक जाने के लिए तैयार रहना इनके लिए इतना आसान है, पर साथ ही यह शक्तिशाली साधन रहा है। कोई पेड़, फूल, पत्थर, लकड़ी-कोई फर्क नहीं पड़ता कि वो क्या है-लोग उसके आगे परम श्रद्धा से झुकने के लिए तैयार रहते हैं। इस सरल सी तैयारी ने भारत में भौतिकता के पार जाने वाले सबसे ज्यादा लोग तैयार किए।

आज का राशिफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखत व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

प्रासंगिक हैं भगवान महावीर के अमृत वचन

महावीर जयंती (25 अप्रैल) पर विशेष/ योगेश कुमार गोयल

'अहिंसा परमो धर्मः' सिद्धांत के लिए जाने जाते रहे भगवान महावीर का अहिंसा दर्शन आज के समय में सर्वाधिक प्रासंगिक और जरूरी प्रतीत होता है क्योंकि वर्तमान समय में मानव अपने स्वार्थ के वशीभूत कोई भी अनुचित कार्य करने और अपने फायदे के लिए हिंसा के लिए भी तत्पर दिखाई देता है। एकबार भगवान महावीर सुवर्णबालिका नामक नदी के निकट स्थित कनखल नामक आश्रम के पास से गुजर रहे थे, तभी उन्होंने पीछे से एक ग्वाले की भयाक्रांत आवाज सुनी। ग्वाले ने भयभीत स्वर में भगवान महावीर से कहा, ''हे देव! कृपया आप यहीं रुक जाएं, यहां से आगे न जाएं क्योंकि इसी मार्ग पर आगे एक बहुत भयानक और अत्यंत विषैला काला नाग रहता है, जिसने अभीतक इसी राह पर जाने वाले सैंकड़ों राहगीरों को अपने विष की ज्वाला से भस्म कर दिया है। उस विषधर की विषाग्नि से हजारों पशु-पक्षी, पेड़-पौधे जलकर राख हो चुके हैं।'' ग्वाले की बात सुनकर भगवान महावीर दो क्षण के लिए रुके और फिर उन्होंने अपने दोनों हाथ अभयसूचक मुद्रा में ऊपर उठा दिए, मानो वहां उपस्थित लोगों से कह रहे हों कि तुम लोग घबराओ नहीं, चिन्ता छोड़ दो। उसके बाद वे शांत एवं निश्चिन्त भाव से आगे चल पड़े। वहां उपस्थित लोगों ने उन्हें समझाने का लाख प्रयत्न किया और आगे जाने से रोकना चाहा लेकिन वे अपनी ही धुन में मस्त होकर आगे बढ़ते गए। चण्डकौशिक नामक उस भयानक काले नाग, जिसके बारे में ग्वाले ने भगवान महावीर को बताया था, उसकी बांबी के पास एक बहुत प्राचीन देवालय था। भगवान महावीर सीधे वहां पहुंचे और वहीं ध्यानमग्न हो गए। कुछ ही देर बाद जब वह काला नाग जंगल में घूमने के पश्चात् लौटकर अपनी बांबी में आया तो उसने बांबी के पास एक मनुष्य को निश्चिन्त भाव से देवालय में ध्यानमग्न देखा। यह देख उसे बहुत आश्चर्य हुआ क्योंकि उसके भय से कोई भी प्राणी इस क्षेत्र में आने से घबराता था। नागराज को भगवान महावीर पर बहुत क्रोध आया और मारे क्रोध के वह जोर-जोर से फुफकारने लगा। उसने गुस्से में भरकर अपनी विषमयी दृष्टि से महावीर की ओर देखा तो उसकी आंखों से विषमयी ज्वालाएं निकलने लगी किन्तु यह क्या, नागराज की आंखों से निकल रही तीव्र विषमयी ज्वालाओं का भगवान महावीर पर कोई असर नहीं हो रहा था। अगर कोई और प्राणी होता तो इतनी देर में तो वह जलकर खाक हो जाता। नागराज का क्रोध और बढ़ गया और उसने महावीर पर बार-बार प्रहार करने शुरू कर दिए लेकिन फिर भी महावीर पर कोई असर न पड़ते देख नागराज ने भगवान महावीर के पैर के अंगूठे में तीव्र दंश मारा। नागराज के आश्चर्य की सीमा न रही क्योंकि इस दंश से महावीर पर कोई प्रभाव पड़ने के बजाय महावीर के पैर के अंगूठे से दूध की धारा फूट पड़ी। जब नागराज भगवान महावीर को विचलित करने और उन्हें भस्मसात् करने की अपनी सारी कोशिशें करके थक गया और उनका बाल भी बांका न कर सका तो भगवान महावीर ने अपनी आंखें खोली और नागराज को संबोधित करते हुए कहा, ''हे चण्डकौशिक! अब तो तुम शांत हो जाओ और अपना क्रोध शांत करो।'' महावीर के मुख से अमृतमयी वचन सुनते ही मानो जादू हो गया और चण्डकौशिक नामक उस भयानक काले नाग का सारा क्रोध उसी क्षण पानी-पानी हो गया। भगवान महावीर की कृपादृष्टि से उसे अपने पूर्वजन्मों का स्मरण हो आया कि किस प्रकार उसने अपने क्रोध के कारण ही पूर्व जन्मों में भी काफी भयंकर कष्ट झेले थे। वह शांत भाव से अब भगवान महावीर के चरणों में लोट गया और उनसे क्षमायाचना करने लगा। जब दूर से गांव वालों ने यह अद्भुत दृश्य देखा तो उनके आश्चर्य का पारावर न रहा और सभी भगवान महावीर का गुणगान करने लगे। भगवान महावीर ने जीवन पर्यन्त अपने अमृत वचनों से समस्त मानव जाति को ऐसी अनुपम सौगात दी, जिन पर अमल करके मानव चाहे तो इस धरती को स्वर्ग बना सकता है। आज के परिवेश में हम जिस प्रकार की समस्याओं और जटिल परिस्थितियों में घिरे हैं, उन सभी का समाधान महावीर के सिद्धांतों और दर्शन में समाहित है। अपने जीवनकाल में उन्होंने ऐसे अनेक उपदेश और अमृत वचन दिए, जिन्हें अपने जीवन तथा आचरण में अमल में लाकर हम अपने मानव जीवन को सार्थक बना सकते हैं। भगवान महावीर का कहना था कि जो मनुष्य स्वयं हिंसा करता है या दूसरों से हिंसा करवाता है अथवा हिंसा करने वालों का समर्थन करता है, वह जगत में अपने लिए बैर बढ़ाता है। अहिंसा की तुलना संसार के सबसे महान् व्रत से करते हुए उनका कहना था कि संसार के सभी प्राणी बराबर हैं, अतः हिंसा को त्यागिए और 'जीओ व जीने दो' का सिद्धांत अपनाइए। वे कहते थे कि संसार में प्रत्येक जीव बराबर है, अतः आवश्यक

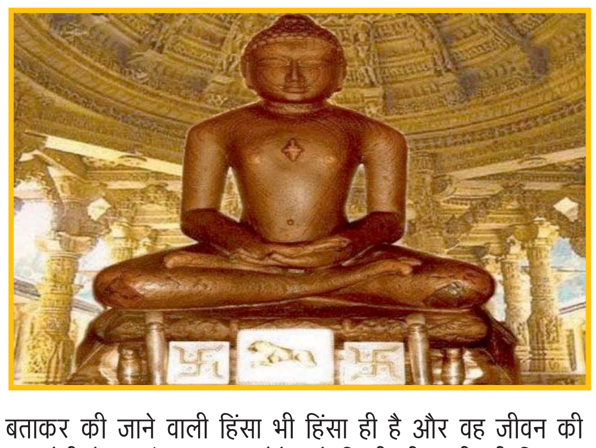

बताकर की जाने वाली हिंसा भी हिंसा ही है और वह जीवन की कमजोरी है। उनके अनुसार छोटे-बड़े किसी भी प्राणी की हिंसा न करना, बिना दी गई वस्तु स्वयं न लेना, विश्वासघाती असत्य न बोलना, यह आत्मा निग्रह सद्पुरुषों का धर्म है। जो लोग कष्ट में धैर्य को स्थिर नहीं रख पाते, वे अहिंसा की साधना नहीं कर सकते। अहिंसक व्यक्ति तो अपने से शत्रुता रखने वालों को भी अपना प्रिय मानता है। उनका कहना था कि संसार में रहने वाले चल और स्थावर जीवों पर मन, वचन एवं शरीर से किसी भी तरह के दण्ड का प्रयोग नहीं करना चाहिए। भगवान महावीर के अनुसार किसी भी प्राणी की हिंसा न करना ही ज्ञानी होने का एकमात्र सार है और यही अहिंसा का विज्ञान है।धर्म को लेकर भगवान महावीर का मत था कि धर्म उत्कृष्ट मंगल है और अहिंसा, तप व संयम उसके प्रमुख लक्षण हैं। जिन व्यक्तियों का मन सदैव धर्म में रहता है, उन्हें देव भी नमस्कार करते हैं। उनका कहना था कि मानव और पशुओं के समान पेड़-पौधों, अग्नि, वायु में भी आत्मा वास करती है और पेड़ पौधों में भी मनुष्य के समान दुख अनुभव करने की शक्ति होती है। महावीर कहते थे कि क्रोध प्रेम का नाश करता है, मान विषय का, माया मित्रता का नाश करती है और लालच सभी गुणों का। जो व्यक्ति अपना कल्याण चाहता है, उसे पाप को बढ़ाने वाले इन चारों दोषों क्रोध, मान, माया और लालच का त्याग कर देना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ऑक्सीजन परिवहन के लिए क्रायोजेनिक कंटेनर आयात करेगा ITC, लिंडे इंडिया से किया गठजोड़

बिजनेस डेस्क: आईटीसी समूह ने शनिवार को कहा कि उसने लिंडे इंडिया लिमिटेड के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत मेडिकल ऑक्सीजन के परिवहन के लिए 24 क्रायोजेनिक कंटेनर का आयात किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि वह वितरण के लिए बड़ी संख्या में ऑक्सीजन कंटेनर को हवाई जहाज से मंगा रही है, जबकि भद्राचलम में उसकी पेपरबोर्ड इकाई ने आसपास के क्षेत्रों में ऑक्सीजन की आपूर्ति शुरू कर दी है। कंपनी ने एक बयान में कहा, आईटीसी लिमिटेड ने लिंडे इंडिया लिमिटेड के साथ एशियाई देशों से 24 क्रायोजेनिक कंटेनरों को हवाई जहाज से मंगाने के लिए समझौता किया है, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 20 टन है और इनका इस्तेमाल देश भर में मेडिकल ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए किया जाएगा। कंपनी ने बताया कि इस पहल का मकसद मेडिकल ऑक्सीजन के परिवहन में अड़चनों को कम करना और सरकार के प्रयासों को समर्थन देना है। कोविड-19 महामारी की दूसरी विनाशकारी लहर के चलते देश के विभिन्न हिस्सों में कई अस्पतालों को ऑक्सीजन की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा कंपनी वितरण के लिए बड़ी संख्या में ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर्स भी मंगवा रही है।

ट्विटर जल्द ही आपको शानदार ट्वीट्स के लिए देगा टिप्स

नई दिल्ली। ट्विटर जल्द ही उपयोगकर्ताओं के लिए उनकी प्रोफाइल पर एक टिपिंग बटन की पेशकश करेगा, जहां लोग उन उपयोगकर्ताओं को भुगतान कर सकते हैं, जिनके शानदार ट्वीट्स के वे अनुयायी हैं। ऐप के शोधकर्ता जेन मानचुन वोंग ने बताया कि ट्विटर लोगों को अन्य ट्विटर उपयोगकर्ताओं को भुगतान करने का तरीका देने के लिए टिपिंग जैसी सुविधाओं की खोज कर रहा है। शोधकर्ता ने एक फोटो साझा किया है, जिसमें दिखाया गया है कि ट्विटर उपयोगकर्ता प्रोफाइल पर एक टिपिंग बटन की पेशकश कर सकता है। ट्विटर ने शुक्रवार को एक ट्वीट में कहा, ट्विटर यूजर प्रोफाइल पर टिप जार राइट पर काम कर रहा है। एक क्लिक बटन, आपको बैंडकैम्प, कैश ऐप (स्क्वायर, एक जैक डोरसी कंपनी), पैट्रन, पेपल और वेनमो के माध्यम से टिप करने के लिए विकल्प देगा। वोंग ने मार्च में ट्वीट किया था कि ट्विटर अपने क्लब हाउस जैसे सोशल ऑडियो रूम स्पेस के लिए टिप जार फीचर पर काम कर रहा है। ट्विटर ने औपचारिक रूप से टिपिंग फीचर की घोषणा नहीं की है। फरवरी में, सोशल मीडिया सुपर फॉलोअर नामक एक विवादास्पद नए ट्विटर फीचर को लेकर आया है, जो मंच पर प्रसिद्ध हस्तियों और मशहूर हस्तियों को उनके अनुयायियों को चार्ज करके उनके ट्वीट्स का मुद्रीकरण करने देगा और बदले में, माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म को बढ़ाने में मदद करेगा। हाल ही में आरआईपी ट्विटर ट्रेंड कर रहा था और लोगों ने कहा कि माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म को एक एडिट बटन चाहिए, न कि एक ऐसी सुविधा जो आम उपयोगकर्ताओं को अधिक चोट पहुंचाएगी। अपने विश्लेषकों के साथ वर्चुअल इवेंट के दौरान, ट्विटर ने एक स्लाइड दिखाया जिसमें लिखा था, हम प्रोत्साहन को पुनर्जीवित कर रहे हैं और रचनाकारों और प्रकाशकों के लिए मौद्रिक प्रोत्साहन मॉडल प्रदान करने के लिए समाधान तलाश रहे हैं, ताकि उनके दर्शकों द्वारा सीधे समर्थन किया जा सके। सुपर फॉलोअर टूल केवल उन लोगों के लिए फायदेमंद होगा जिनके पास अनुयायियों का एक बड़ा हिस्सा है। डोरसे ने कहा है कि कंपनी का लक्ष्य 2023 में कम से कम 315 मिलियन एमडीएयू (मुद्रीकरण योग्य दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ता) के साथ अपने कुल वार्षिक राजस्व को दोगुना करने के लिए 7.5 बिलियन से अधिक है।

सरकार ने महामारी के मद्देनजर कुछ निश्चित मामलों में प्रत्यक्ष कर संबंधी समय सीमा बढ़ाई

नई दिल्ली।

करदाताओं, कर सलाहकारों और अन्य हितधारकों द्वारा कोविड-19 महामारी के कारण किए जा रहे अनुरोधों के मद्देनजर, सरकार ने करदाताओं को अनुपालन की विभिन्न सीमाएं बढ़ाकर राहत देने का फैसला किया है। केंद्र सरकार ने कराधान और अन्य कानून (छूट) और विभिन्न प्रावधानों में संशोधन अध्यादेश, 2020 के अंतर्गत जारी की गई विभिन्न अधिसूचनाओं के माध्यम से पूर्व में 30 अप्रैल, 2021 तक बढ़ाई गई समय सीमा को अब 30 जून, 2021 तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। इसी प्रकार, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने अधिनियम की धारा 144 सी की उपधारा (13) के तहत डीआरपी के निर्देश के परिणामस्वरूप एक आदेश पारित करने की समय सीमा को भी तीन महीने के लिए 30 जून, 2021 तक बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा 30 जून, 2021 तक बढ़ाई गई समय सीमा में अन्य कई मामले में भी शामिल हैं, जिनमें मूल्यांकन को फिर से जारी करने के लिए अधिनियम की धारा 148 के तहत नोटिस जारी करने की समय सीमा, जहां आय का मूल्यांकन नहीं किया गया है, वित्त अधिनियम 2016 की धारा 168 की उपधारा (1) के तहत समकारी लेवी की प्रक्रिया की सूचना

भेजने की समय सीमा। यह भी तय किया गया है कि प्रत्यक्ष कर विवाद से विश्वास अधिनियम, 2020 के तहत देय राशि के भुगतान की समय-सीमा को भी, बिना अतिरिक्त राशि के, 30 जून, 2021 तक बढ़ा दिया जाएगा। वित्त मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि उपरोक्त तिथियों का विस्तार करने के लिए अधिसूचनाएं उचित समय पर जारी की जाएंगी।

मार्च को समाप्त तिमाही में महिन्द्रा फाइनेंस का शुद्ध मुनाफा आठ प्रतिशत घटकर 219 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली,

महिन्द्रा एंड महिन्द्रा फाइनेंशल सर्विसेज (महिन्द्रा फाइनेंस) का एकीकृत शुद्ध मुनाफा 31 मार्च को समाप्त तिमाही में आठ प्रतिशत घटकर 219 करोड़ रुपये रह गया। वर्ष 2019-20 की जनवरी-मार्च तिमाही का शुद्ध मुनाफा 239 करोड़ रुपये था।महिंद्रा फाइनेंस ने एक बयान में कहा कि उसकी एकीकृत शुद्ध आय 31 मार्च, 2021 को समाप्त तिमाही के दौरान पिछले साल की समान अवधि के 3,140 करोड़ रुपये से मामूली घटकर 3,038 करोड़ रुपये रही। एकल आधार पर, वर्ष 2021 की जनवरी-मार्च अवधि में कंपनी का शुद्ध मुनाफा वर्ष दर वर्ष 32 प्रतिशत घटकर 150 करोड़ रुपये रहा, जबकि आय 1.4 प्रतिशत घटकर 2,638 करोड़ रुपये रह गयी। पूरे वित्तवर्ष 2021 में, कंपनी का एकीकृत शुद्ध मुनाफा 28 प्रतिशत घटकर 780 करोड़ रुपये रहा और आय एक प्रतिशत घटकर 12,171 करोड़ रुपये रही। महिंद्रा फाइनेंस ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने प्रति शेयर 0.80 रुपये का लाभांश देने की सिफारिश की है।

प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात में 26% की वृद्धि

नई दिल्ली: कोविड संकट के बावजूद वर्ष 2020-21 के अप्रैल से फरवरी के दौरान गत वर्ष की तुलना में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के निर्यात में 26.51 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2020-21 में अप्रैल से फरवरी के दौरान कुल 43798 करोड़ रुपए के प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का निर्यात किया गया। जिन प्रमुख खाद्य पदार्थों का निर्यात किया गया उनमें दाल, प्रसंस्कृत सब्जियां, फल, जूस, मूंगफली, मोटे अनाज़ के उत्पाद, एल्कोहलिक पेय और तिलहन शामिल है। मूल्य संवर्धित उत्पादों में प्रसंस्कृत सब्जियां, एल्कोहलिक पेय और मिल उत्पाद में वर्ष 2019-20 की तुलना में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2020-21 के दौरान भारतीय स्नैक्स, सॉसेज, स्टार्च उत्पाद, माल्ट उत्पाद आदि के निर्यात में 33 से 36 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अनाज आधारित प्रसंस्कृत उत्पादों में 18 प्रतिशत, फल और जूस में 12 प्रतिशत, मूंगफली में सात प्रतिशत तथा ऑयल मिल में 96 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कोविड संकट के दौरान पूरे विश्व में व्यवसायिक बाधाओं के बावजूद प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के निर्यात में 26 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि लगातार किए जा रहे प्रयासों और अन्य आवश्यक कदम उठाए जाने के कारण संभव हो सका। कृषि उत्पाद निर्यात संवर्धन प्राधिकरण के अध्यक्ष एम अंगमुथु के अनुसार वर्ष 2021-22 के दौरान भी प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के निर्यात बढ़ने की संभावना है। विश्व विशेष कर मध्य पूर्व, अमेरिका, ब्रिटेन तथा कई अन्य बाजारों में दाल, प्रसंस्कृत फलों एवं सब्जियों, मिल उत्पाद, अनाज उत्पादों आदि की मांगों में वृद्धि की उम्मीद है।

ऑक्सीजन सप्लाई पर मोदी सरकार का बड़ा फैसला, 3 माह के लिए कस्टम ड्यूटी हटाई

बिजनेस डेस्क:

देश में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों की वजह से मेडिकल ऑक्सीजन की किल्लत सबसे बड़ी चुनौती उभरकर सामने आ रही है। इलाज के दौरान ऑक्सीजन की कमी न आए, इसके लिए आज केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने 14 अप्रैल (शनिवार) को कोविड वैक्सीन्स, ऑक्सीजन और ऑक्सीजन संबंधी इक्विपमेंट के आयात पर बेसिक कस्टम और ड्यूटी हेल्थ सेस हटाने का ऐलान किया है। यह फैसला तत्काल प्रभाव से अगले तीन महीने के लिए लागू रहेगा। सरकार ने भारत में इन प्रॉडक्ट्स की उपलब्धता बढ़ाने के लिए यह फैसला किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक में यह फैसला लिया गया। सरकार ने एक बयान जारी कर कहा कि पीएम मोदी ने देश में मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन की सप्लाई और अस्पतालों व घरों दोनों में मरीज की देखभाल के लिए जरूरी इक्विपमेंट बढ़ाने की तत्काल जरूरत पर जोर दिया। बयान में आगे कहा गया कि पीएम मोदी ने यह भी कहा है कि सभी मंत्रालयों और विभागों को एक साथ मिलकर देश में ऑक्सीजन और मेडिकल सप्लाई बढ़ाने के लिए काम करने की जरूरत है। बैठक के दौरान पीएम मोदी ने राजस्व विभाग को निर्देश दिया है कि विभाग कोविड वैक्सीन्स, ऑक्सीजन और ऑक्सीजन सबंधी इक्विपमेंट का अवरोध रहित और जल्द कस्टम क्लियरेंस सुनिश्चित करे।

इन चीजों के आयात पर तीन माह तक नहीं लगेगी कस्टम ड्यूटी

- कोविड वैक्सीन
- मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन
- फ्लो मीटर, रेगुलेटर, कंसन्ट्रेटर्स और ट्यूबिंग के साथ ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर
- वैक्यूम प्रेशर स्विंग एब्जॉर्प्शन और प्रेशर स्विंग एब्जॉर्प्शन ऑक्सीजन प्लांट्स, लिक्विड/गैसियस ऑक्सिजन उत्पादित करने वाली क्रायोजेनिक ऑक्सीजन एयर सैपरेशन यूनिट्स
- आईसीयू वेंटिलेटर्स के लिए नॉन इनवेसिव वेंटिलेशन ओरोनेजल मास्क
- आईसीयू वेंटिलेटर्स के लिए नॉन इनवेसिव वेंटिलेशन नेजल मास्क
- ऑक्सीजन कैनिस्टर
- ऑक्सीजन फिलिंग सिस्टम्स
- ऑक्सीजन स्टोरेज टैंक्स, ऑक्सीजन सिलेंडर्स
- ऑक्सीजन जनरेटर्स
- ऑक्सीजन की शिपिंग के लिए आईएसओ कंटेनर्स
- ऑक्सीजन के लिए क्रायोजेनिक रोड ट्रान्सपोर्ट टैंक्स
- ऑक्सीजन के प्रॉडक्शन, ट्रान्सपोर्टेशन, डिस्ट्रीब्यूशन या स्टोरेज के लिए इक्विपमेंट्स बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले पार्ट्स
- ऑक्सीजन जनरेट करने वाली कोई भी अन्य डिवाइस
- नेसल कैनुला के साथ वेंटिलेटर्स, सभी एक्सेसरीज व ट्यूबिंग के साथ कंप्रेशर्स, ह्यूमिडिफियर्स और वायरल फिल्टर्स
- सभी अटैचमेंट्स के साथ हाई फ्लो नेजल कैनुला डिवाइस
- नॉन इनवेसिव वेंटिलेशन के साथ इस्तेमाल के लिए हेलमेट्स
- 10 हजार ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीन आयात करने का फैसला

इस बीच, केंद्र सरकार ने 10 हजार ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीन आयात करने का फैसला किया है। देश में जारी ऑक्सीजन कट से निपटने के लिए शनिवार को यह निर्णय किया गया। संभवतः अगले सप्ताह से अमेरिका से ये मिलने लगेगी। बता दें, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीन खुली हवा से ऑक्सीजन तैयार कर सप्लाई करती है। यह मशीन सीधे हवा से प्रति मिनट पांच लीटर मेडिकल ऑक्सीजन तैयार करती है।

FY21 में कर्ज वृद्धि 59 साल के न्यूनतम स्तर पर, बैंक जमा 11.4% बढ़ी

बिजनेस डेस्क:

बैंक कर्ज वृद्धि में लगातार दूसरे साल गिरावट आई है और यह न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई है। इसमें वित्त वर्ष 2020-21 में मात्र 5.56 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो 59 साल का न्यूनतम स्तर है। यह स्थिति तब है जब सरकार कोविड-19 के प्रभाव से निपटने के लिए आसान कर्ज व्यवस्था के जरिए प्रोत्साहन दे रही है। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में यह कहा गया है। वित्त वर्ष 2020-21 में कुल कर्ज उठाव 109.51 लाख करोड़ रुपए रहा। कर्ज वृद्धि 2019-20 के मुकाबले कम है। उस समय कर्ज में 6.14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी और वह 58 साल का न्यूनतम स्तर था। इससे पहले वित्त वर्ष 1961-62 में कर्ज वृद्धि न्यूनतम 5.38 प्रतिशत थी। सरकार ने कोरोना वायरस संकट से निपटने के लिए 20 लाख करोड़ रुपए के प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की थी जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 11 प्रतिशत था। इसमें से वास्तव में केवल करीब 3 लाख करोड़ रुपए का उपयोग राजकोषीय प्रोत्साहन के रूप में किया गया। शेष राशि कर्ज सहायता के रूप में थी जिसका सरकार के राजकोषीय आंकड़े पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। एसबीआई रिसर्च ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़े का हवाला देते हुए कहा कि हालांकि बैंकों में जमा 2020-21 में 11.4 प्रतिशत बढ़कर 151.13 लाख करोड़ रुपए रहा जो 2019-20 में 7.93 प्रतिशत था।

वित्त वर्ष 2008 की क्रेडिट ग्रोथ सबसे बेहतर

एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2007-08 में कर्ज और जमा में अबतक की सबसे अच्छी वृद्धि दर्ज की गई। उस समय जमा में जहां 22.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, वहीं कर्ज उठाव में 22.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। अगले दो साल इसमें कमी आई और यह 17 प्रतिशत के करीब रही लेकिन 2010-11 में यह बढ़कर फिर से 21.5 प्रतिशत हो गई। उसके बाद से कर्ज मांग लगातार कम हुई और 2019-20 में यह 58 साल के न्यूनतम स्तर तथा 2020-21 में 59 साल के न्यूनतम स्तर तक चली गई।

नवंबर के बाद कर्ज उठाव में हुई वृद्धि

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020-21 की पहली छमाही में कर्ज उठाव पर महामारी का प्रभाव पड़ा क्योंकि उस समय अर्थव्यवस्था बंद पड़ी थी। दूसरी छमाही में नवंबर के बाद कुछ वृद्धि दर्ज की गई।

रिपोर्ट के अनुसार, ÷लेकिन इसके बावजूद कर्ज में वृद्धि 2020-21 में केवल 5.56 प्रतिशत रही जो 59 साल का न्यूनतम स्तर है। वहीं 2019-20 में वृद्धि 6.14 प्रतिशत थी।'' जमा में वृद्धि 2020-21 में 11.4 प्रतिशत रही जो 2019-20 में 7.93 प्रतिशत थी। वित्त वर्ष 2019-20 में जमा 135.71 लाख करोड़ रुपए रही थी।

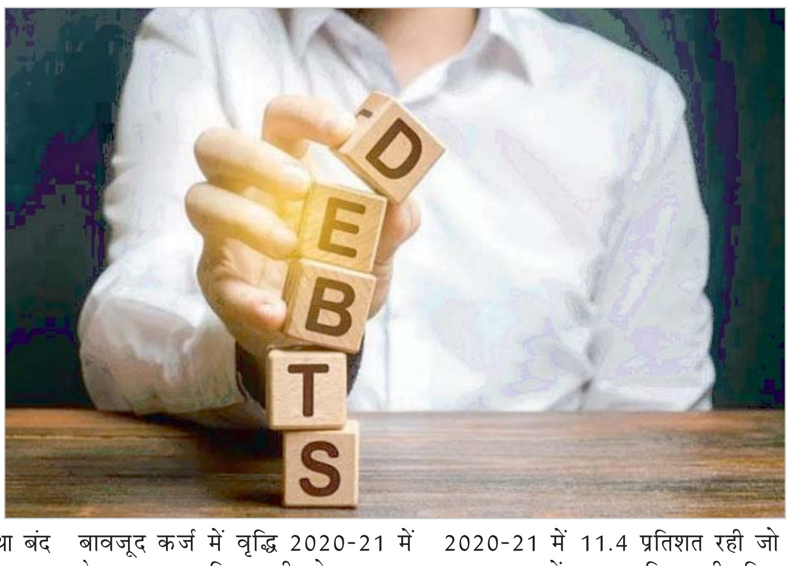

मैक प्रिव्यू के लिए ऑफिस 2021 रिलीज कर रहा माइक्रोसॉफ्ट

सैन फ्रांसिस्को।

माइक्रोसॉफ्ट इस सप्ताह मैक और ऑफिस एलटीएससी (लॉन्ग-टर्म सर्विसिंग चैनल) के लिए ऑफिस 2021 का प्रिव्यू वर्जन (पूर्वावलोकन संस्करण) जारी कर रहा है। ऑफिस एलटीएससी व्यावसायिक ग्राहकों के लिए डिजाइन किया गया है, दोनों संस्करण ऑफिस के क्रमिक वर्जन हैं, जो सदस्यता या क्लाउड पर निर्भर नहीं हैं। द वर्ज ने शुक्रवार को अपनी रिपोर्ट में बताया कि माइक्रोसॉफ्ट ने फरवरी में ऑफिस 2021 के लिए अपनी योजनाओं की घोषणा की थी। कंपनी एक विंडोज वर्जन की घोषणा की थी, जो प्रिव्यू में उपलब्ध नहीं होगा, वह इस साल के अंत में भी जारी किया जाएगा। मैक के लिए ऑफिस 2021 एप्पल सिलिकॉन और इंटेल-आधारित मैक दोनों को सपोर्ट करेगा और इसके लिए कम से कम 4 जीबी रैम और 10 जीबी स्टोरेज स्पेस की आवश्यकता होगी। इसे ऑफिस की एक स्टेटिक रिलीज के लिए डिजाइन किया गया है, लेकिन प्रिव्यू के दौरान, मासिक अपडेट होंगे, जिसमें नए फीचर्स शामिल हो सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, एक बार मैक के लिए ऑफिस 2021 फाइनल होने और इसके जारी होने के बाद, कोई नया फीचर नहीं जोड़ा जाएगा। वर्तमान सुधारों में लाइन फोकस शामिल हैं और यह सुविधा डिस्ट्रैक्शन को दूर करती है। माइक्रोसॉफ्ट के ऑफिस एलटीएससी वेरिएंट में डार्क मोड सपोर्ट, एक्सेसिबिलिटी में

सुधार और मैक के लिए एक्सेल 2021 में समान डायनामिक और एक्सलुकअप जैसी चीजें शामिल होंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि विंडोज के लिए ऑफिस 2021 में इसी तरह के फीचर्स शामिल होंगे।

ईडीएफ ने जैतापुर में छह रिएक्टर बनाने के लिए बाध्यकारी तकनीकी-वाणिज्यिक पेशकश की

मुंबई,

फ्रांस की ऊर्जा कंपनी ईडीएफ ने शुक्रवार को कहा कि उसने भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के लिए महाराष्ट्र के जैतापुर में छह दबाव वाले वाटर रिएक्टर बनाने के लिए बाध्यकारी तकनीकी-वाणिज्यिक पेशकश जमा की है।ऊर्जा कंपनी ने इस कदम को मील का पत्थर बताते हुए कहा कि इस आधार पर आने वाले महीनों में एक बाध्यकारी समझौते की बात होगी। रत्नागिरि जिले के जैतापुर में कुल 9900 मेगावाट क्षमता के छह परमाणु ऊर्जा रियक्टरों के निर्माण के लिए वर्ष 2018 में दोनों पक्षों के बीच 'औद्योगिक आगे की राह तय करने का समझौता' होने के बाद एनपीसीआईएल और ईडीएफ के बीच वार्ता में प्रगति हुई।वहां प्रत्येक परमाणु रिएक्टर 1650 मेगावाट का होगा। फ्रांसीसी राजदूत इमैनुअल लेनिन ने कहा कि यह दुनिया की सबसे बड़ी परमाणु ऊर्जा परियोजना होगी। उन्होंने कहा, ''दुनिया का सबसे शक्तिशाली संयंत्र सात करोड़ घरों को बिजली देगा, हर साल आठ करोड़ टन कार्बन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन रुकेगा और स्थानीय स्तर पर हजारों नौकरियां तैयार होंगी। जैतापुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र परियोजना में यह मील का पत्थर राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता है। फ्रांस और भारत साथ मिलकर सुरक्षित, विश्वसनीय, प्रतिस्पर्धी और टिकाऊ ऊर्जा तक पहुंच सुरक्षित करेंगे।''

तकनीकी-वाणिज्यिक पेशकश के साथ-साथ परियोजना के वित्त पोषण पर बातचीत फिलहाल जारी है।

इसके अलावा भारत में विनिर्माण के जरिये स्थानीयकरण बढ़ाने के तरीकों को लेकर दोनों पक्षों के बीच विचार-विमर्श जारी है। ईडीएफ समूह के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी जीन बर्नार्ड लेवी ने कहा, ''यह महत्वपूर्ण मील का पत्थर हमारे भारतीय साझेदार के साथ बने विश्वास और ईडीएफ तथा एनपीसीआईएल के दलों के सहयोग और निरंतर प्रयासों के कारण हासिल हुआ है।''

एसआईआई ने कोविड वैक्सीन के मूल्य का बचाव किया, कहा- अग्रिम वित्त पोषण पर आधारित थी शुरुआती कीमत

नयी दिल्ली,

देश में कोविड-19 की सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाली वैक्सीन बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने शनिवार को कोविशील्ड वैक्सीन का मूल्य शुरुआती कीमत के मुकाबले डेढ़ गुना तय करने के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि शुरुआती कीमत अग्रिम वित्त पोषण पर आधारित थी और अब उसे उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए और अधिक निवेश करने की जरूरत है। पुणे स्थित सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने इस सप्ताह की शुरुआत में वैक्सीन की कीमत राज्य सरकारों और केंद्र सरकार के साथ किसी नए करार के लिए 400 रुपये प्रति खुराक और निजी अस्पतालों के लिए 600 रुपये प्रति खुराक तय की थी। एसआईआई एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन कोविशील्ड का विर्निमाण करती है। वह इस समय केंद्र सरकार को 150 रुपये प्रति खुराक की दर से वैक्सीन की आपूर्ति कर रही है। विपक्षी दलों ने कोविड-19 वैक्सीन की अलग-अलग कीमत तय करने की आलोचना करते हुए कहा था कि यह भेदभावपूर्ण है और इससे ''कुछ बड़े उद्योगपतियों को फायदा'' होगा, जबकि आम लोगों को नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने मांग की है कि केंद्र और राज्यों को एक कीमत पर वैक्सीन मिलनी चाहिए। एसआईआई ने कहा, ''भारत वैक्सीन की कीमत और वैश्विक कीमतों के बीच एक गलत तुलना की गई है। कोविशील्ड आज बाजार में उपलब्ध कोविड-19 की सबसे सस्ती वैक्सीन है।'' कंपनी ने कहा कि शुरुआती कीमत ''दुनिया भर में कम थी, क्योंकि यह उन देशों के अग्रिम वित्त पोषण पर आधारित थी, जिसमें वैक्सीन निर्माण का जोखिम शामिल था।'' बयान में कहा गया, ''भारत सहित सभी सरकारी टीकाकरण कार्यक्रमों के लिए कोविशील्ड की शुरुआती कीमत सबसे कम थी।''

कंपनी ने आगे कहा, ''मौजूदा स्थिति एकदम अलग है, वायरस लगातार रूप बदल रहा है, जबकि जनता पर जोखिम बना हुआ है। अनिश्चितता की पहचान करते हुए, हमें स्थिरता सुनिश्चित करनी होगी, क्योंकि हमें महामारी से लड़ने के लिए क्षमता विस्तार में निवेश करना है और लोगों की जान बचानी है।' एसआईआई ने कहा कि वैक्सीन के थोड़े से हिस्से को निजी अस्पतालों को 600 रुपये प्रति खुराक की दर पर बेचा जाएगा और यह कीमत अभी भी कई दूसरे चिकित्सकीय उपचारों की तुलना में कम है।

कोविड-19: एसएलबीसी ने बंगाल सरकार से बैंकिंग कामकाज को दोपहर दो बजे तक सीमित करने को कहा

कोलकाता,

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) ने बंगाल सरकार से अनुरोध किया है कि कोविड संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी के मद्देनजर बैंकिंग कामकाज को सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक सीमित किया जाए। इस समय बैंक छुट्टियों और महीने के दूसरी तथा चौथे शनिवार को छोड़कर सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक सेवाएं देते हैं। पंजाब नेशनल बैंक के मुख्य महाप्रबंधक और एसएलबीसी के संयोजक नवीन कुमार दास ने सरकार को लिखे पत्र में कहा कि कई सदस्य बैंकों को उनके कॉरपोरेट कार्यालयों ने सलाह दी है कि वे अपने संबंधित कार्य क्षेत्रों में कोविड संक्रमण की स्थितियों का जायजा लें और अपनी शाखाओं तथा कार्यालयों में 50 प्रतिशत तक उपस्थिति को प्रतिबंधित करने पर विचार करें।दास ने कहा, ''कई बैंक सदस्यों ने प्रतिबंधित बैंकिंग घंटों को लागू करने के लिए हमसे संपर्क किया है, जैसा पिछले साल कोविड-19 संक्रमण के जोखिम को कम करने के लिए लागू किया गया था। इस समय संक्रमित कर्मचारियों की एक बड़ी संख्या को देखते हुए 50 प्रतिशत कार्यबल की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी एक चुनौतीपूर्ण कार्य है।'' उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति में छह घंटे के लिए पूर्ण बैंकिंग सेवाएं देना चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। दास ने पत्र में कहा, ''हम आपसे आग्रह करेंगे कि बैंकिंग कारोबार के समय को कम से कम अगले दो हफ्तों के लिए सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक सीमित रखने पर विचार करें।''

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ग्लेन मैक्सवेल की सफलता पर आश्चर्यचकित हूं: पीटरसन

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज केविन पीटरसन ने कहा है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाड़ी ग्लेन मैक्सवेल की सफलता पर हैरान हैं। पीटरसन ने बेटवे डॉट कॉम पर अपने ब्लॉगह मे लिखा, आसीबी ने जितने पैसे देकर मैक्सवेल को खरीदा था, उस पर मुझे संदेह था। मैक्सवेल जहां भी रहते हैं टीम को मुख्य खिलाड़ी बने रहना चाहते हैं लेकिन कप्तान विराट कोहली और अब्राहम डिविलियर्स के रहते यह होना सम्भव नहीं। इन सबके बावजूद ग्लेन ने अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया है। मैं उनकी सफलता से हैरान हूं। 40 वर्षीय पीटरसन, जो अब एक कमेंटेटर के रूप में काम करते हैं, ने लिखा है कि आरसीबी के सेट-अप में मैक्सवेल बहुत सहज महसूस कर रहे होंगे। पीटरसन ने लिखा, सेट-अप में ग्लैन को बहुत सहज महसूस करना चाहिए। मुझे पता है कि यदि आप मैक्सवेल को सहज महसूस कराते हैं और उनके टायर को थोड़ा पंप करते हैं तो आपको बहुत बड़ा फायदा होगा क्योंकि वह सही मायने में मैच विजेता हैं।

आईपीएल-14 : दिल्ली के स्पिनरों के खिलाफ हैदराबाद के विलियम्सन पर होगी नजरें

चेन्नई।

तीसरे नंबर पर काबिज दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) आईपीएल के 14वें सीजन के 20वें मैच में रविवार को यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेगी। दिल्ली की टीम पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ लगातार दो मैच जीतकर इस मैच में उतरेगी, जबकि हैदराबाद ने अपने पिछले मैच में पंजाब को हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की है। टीम अभी छठे नंबर पर है। डीसी अपने हरफनमौला प्रदर्शन के चलते जीत की दावेदार है। सलामी बल्लेबाज शिखर धवन रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में टॉप पर है और ऑरेंज कैप की दौड़ में उनकी बल्लेबाजी ठोस नजर आई। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भी मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ आखिरी मैच में अच्छे दिखे। गेंदबाजी में कगिसो रबाडा और रविचंद्रन अश्विन की मौजूदगी से उनकी गेंदबाजी भी अच्छी रही है। हालांकि मध्य प्रदेश के युवा तेज गेंदबाज आवेश खान टीम के टॉप विकेटटेकर गेंदबाज हैं। इस सीजन में उनके आठ विकेट हैं। दिल्ली की टीम में लेग स्पिनर अमित मिश्रा की भी वापसी हुई है, जिन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ चार विकेट लिए थे। चोट के बाद वापसी कर रहे मिश्रा अपनी गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुने गए। हैदराबाद हालांकि अपने मध्यक्रम की विफलता के कारण तीन हार के साथ शुरूआत करने के बाद पिछले मैच में जीत दर्ज की, जिसमें केन विलियमसन की वापसी हुई। स्पिन के अनुकूल चेन्नई के विकेट पर और मिश्रा और अश्विन की पसंद के विपरीत उनकी बल्लेबाजी में अहम भूमिका होगी। अगर हैदराबाद को अगर बड़ा स्कोर बनाना है तो, उसके किसी बल्लेबाज को अंत तक टिकना होगा। हैदराबाद की गेंदबाजी हालांकि भारतीय तेज गेंदबाज टी नटराजन के बाहर होने जाने के बाद टीम की गेंदबाजी प्रभावशाली रही है।

टीमें (संभावित:) :

सनराइजर्स हैदराबाद : डेविड वार्नर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, बासिल थम्पी, भुवनेश्वर कुमार, जॉनी बेयरस्टॉ (विकेटकीपर), केन विलियमसन, मनीष पांडे, मोहम्मद नबी, राशिद खान, संदीप शर्मा, शाहबाज नदीम, श्रीवत्स गोस्वामी, सिद्धार्थ कौल कौथकर , विजय शंकर, रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), अब्दुल समद, जेसन रॉय, जेसन होल्डर, प्रियम गर्ग, विराट सिंह, केदार जाधव, मुजीब उर रहमान, जे सुचित।

दिल्ली कैपिटल्स : ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), शिखर धवन, पृथ्वी शॉ, अजिंक्य रहाणे, स्टीव स्मिथ, सैम बिलिंग्स, शिमरन हेटमायर, ईशांत शर्मा, कगिसो रबाडा, एनरिक नार्जे, उमेश यादव, टॉम कुरन, अवेश खान, ललित यादव, प्रवीण दुबे, रिपाल पटेल, लुकमान हुसैन मेरलावाला, एम सिद्धार्थ, मार्कस स्टोइनिस, अक्षर पटेल, रविचंद्रन अश्विन, क्रिस वोक्स, विष्णु विनोद (विकेटकीपर), आदित्य तारे (विकेटकीपर)।

विनेश फोगाट टोक्यो ओलंपिक को लेकर अपनी तैयारियों से संतुष्ट

नई दिल्ली।

भारत की शीर्ष महिला पहलवान विनेश फोगाट 23 जुलाई से शुरू होने वाले टोक्यो ओलंपिक के लिए अपनी तैयारी से संतुष्ट हैं। टोक्यो ओलंपिक में भारत के लिए पदक की बड़ी उम्मीदों में से एक विनेश ने कहा, मैं सही रास्ते पर हूं, लेकिन जुलाई में मुख्य टूर्नामेटों के शुरू होने तक पूरी तरह से फिट होने के लिए ट्रेनिंग में मामूली समायोजन करने की जरूरत है। विनेश ने जनवरी से लेकर अब तक तीन अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया है। उन्होंने कहा कि रिकवरी एक ऐसा मुद्दा है जिससे निपटने की जरूरत है। उन्होंने कहा, वजन घटाने के बाद, शरीर और दिमाग ठीक से काम नहीं करता है। मेरे लिए यह सीखना महत्वपूर्ण है कि आने वाले दिनों में इस मुद्दे से कैसे निपटा जाए। मुझे लगता है कि मैं टोक्यो में अच्छे प्रदर्शन के लिए सही रास्ते पर हूं। हर प्रतियोगिता अलग होती है और सभी प्रतियोगियों के खेलने का एक अलग सेट होता है। इसलिए मेरे हिसाब से काम करना जरूरी है। हरियाणा के अंतर्राष्ट्रीय पहलवान ने खुद को प्रशिक्षण पर केंद्रित रखा है और दूसरी बार कोविड-19 मामलों में उछाल के कारण टोक्यो ओलंपिक को स्थगित करने जैसे मामले उनके दिमाग में नहीं हैं। उन्होंने कहा, टोक्यो ओलंपिक मेरे लिए कुश्ती का अंत नहीं होगा। जब तक मैं कर सकती हूं, मैं ट्रेनिंग और प्रतिस्पर्धा जारी रखूंगी।

फीडे कैंडीडेट शतरंज -अनीश गिरि नें डिंग को हराकर बढ़ाया रोमांच

एकतुरिनबुर्ग ,रूस (निकलेश जैन) फीडे कैंडीडेट शतरंज चैंपियनशिप के 11 वे राउंड मे सबसे आगे चल रहे रूस के इयान नेपोंनियची नें यूएस के फबियानों करूआना से ड्रॉ खेलते हुए 7 अंक बनाकर अपनी एकल बढ़त को बनाए रखा है पर नीदरलैंड के अनीश गिरि नें चीन के डिंग लीरेन को मात देते हुए 6.5 अंक बनाकर खुद को ख़िताबी दौड़ मे शामिल रखा है । अनीश गिरि नें सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए राय लोपेज एक्स्चेंज वेरिएशन मे अपने शानदार खेल से डिंग को मात्र 29 चालों मे हार स्वीकार करने को विवश कर दिया । इस परिणाम का असर यह हुआ है की डिंग अब जहां विश्व रैंकिंग मे तीसरे स्थान से सरक कर पांचवे स्थान पर पहुँच गए है जबकि रूस के इयान नेपोंनियची तीसरे तो अनीश चौंथे स्थान पर जा पहुंचे है । 11 वे राउंड मे एक और परिणाम खास रहा जब रूस के अलेक्ज़ेंडर ग्रीसचूक नें खिताब के एक और दावेदार फ्रांस के मकसीम लागरेव को झटका देते हुए जीत दर्ज की । ग्रीसचुक नें सफ़ेद मोहोरो से खेलते हुए क्लोस सिसिलियन ओपनिंग मे 48 चालों मे बाजी अपने नाम की । रूस के आलेक्सींकों किरिल और चीन के वांग हाउ के बीच मुक़ाबला ड्रॉ रहा । अब जबकि 3 राउंड बाकी है देखना है की कौन खिताब अपने नाम करेगा । राउंड 11 के बाद बाद नेपोम्नियाची 7 अंक ,अनीश 6.5 अंक , फबियानों 6 अंक , मकसीम और ग्रीसचुक 5.5 अंक ,वांग 5 अंक आलेक्सींकों 4 .5 अंक और डिंग 4 अंक पर खेल रहे है ।

क्रिकेट जगत ने सचिन को उनके 48वें जन्मदिन पर दी बधाई

मुंबई।

भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर शनिवार को 48 साल के हो गए। इस अवसर पर क्रिकेट जगत ने उन्हें उनके जन्मदिन पर बधाई दी है। कोविड-19 के कारण सचिन छह दिनों तक अस्पताल में थे, लेकिन अब वह घर में है और इससे उबर रहे हैं। पूर्व भारतीय गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने सचिन के साथ बिताए यादगार लम्हों की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, सच है, सच जिंदगी है, सच ही जवाब, सच ऐसा ही है। न सिर्फ दुनिया के सबसे महान बल्लेबाज बल्कि सबसे विनम्र और अविश्वसनीय इंसान को जन्मदिन की बधाई। 24 अप्रैल, 1973 को जन्मे मुंबई के बल्लेबाज सचिन ने 100 अंतरराष्ट्रीय शतक बनाए हैं। उनके नाम वनडे में 49 और टेस्ट में 51 शतक हैं। वह राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार पाने वाले पहले क्रिकेटर हैं। वह भारत रत्न से सम्मानित होने वाले एकमात्र क्रिकेट हैं। सचिन आठ अप्रैल को अस्पताल से घर लौट आए थे। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह ने ट्विटर पर लिखा, दिग्गज मास्टर ब्लास्टर को जन्मदिन की बधाई। ये देखकर खुशी हुई कि आप अस्पताल से घर आ गए। उम्मीद है कि जल्द ही आप कोरोना को भी हरा देंगे। सुरेश रैना ने भी सचिन तेंदुलकर को बधाई देते हुए कहा, क्रिकेट के असली दिग्गज। क्रिकेट के प्रति आपका जुनून के कारण ही हमें भी इस खेल से प्यार हुआ। हम स्वस्थ और खुश रहें यही प्रार्थना। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी सचिन को उनके जन्मदिन की बधाई दी है। बीसीसीआई ने सचिन के वनडे में पहले दोहरे शतक का वीडियो शेयर कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। बीसीसीआई ने लिखा, 664 अंतरराष्ट्रीय मैच, 34,357 अंतरराष्ट्रीय रन, 100 अंतरराष्ट्रीय शतक और 201 विकेट. दिग्गज क्रिकेटर को जन्मदिन की बधाई। चलिए, याद करते हैं उस खास लम्हे को जब सचिन वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने थे।

संक्षिप्त समाचार

टेनिस - जोकोविच सर्बिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

बेलग्रेड। स्थानीय टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने हमवतन मियोमीर केचमानोविच को हराकर यहां जारी सर्बिया ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। अपने तीसरे सर्बिया ओपन खिताब की तलाश में लगे जोकोविच ने शुक्रवार को खेले गए पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में 6-1, 6-3 से जीत दर्ज की। दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी जोकोविच ने कहा, मुझे लगता है कि व्यक्तिगत रूप से मैं कोर्ट पर बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा हूं, बॉल को अच्छी तरह से हिट कर रहा हूं और निश्चित रूप से, घरेलू कोर्ट का फायदा उठा रहा हूं। इसलिए मैं कल फिर से कोर्ट पर सेमीफाइनल में उतरने जाने के लिए उत्साहित हूं। आस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने के बाद से जोकोविच अपना केवल दूसरा टूनार्मेंट खेल रहे हैं।

पुणे में मोबाइल कोविड टेस्ट लैब की शुरूआत करेंगे हरभजन

हरभजनपुणे। पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह पुणे में एक मोबाइल कोविड-19 टेस्टिंग लैब की शुरूआत कर रहे हैं, जो शनिवार से चालू हो जाएगी। आईपीएल 14 में कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से खेल रहे हरभजन ने ट्विटर पर लिखा, हम बस इस मुश्किल समय में दूसरों कि मदद करके एक छोटा सा कार्य कर रहे हैं। मैं आशा करता हूं कि वाहेगुरु सभी को सुरक्षित रखें। हम कोरोना के खिलाफ यह लड़ाई जरुर जीतेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, लैब जगह-जगह जाकर एक दिन में 1500 सैंपल एकत्रित करेगी, जिसमें आरटी-पीसीआर टेस्ट के परिणाम घंटे घंटों में दे दिए जायेंगे। इस मदद से कोरोना टेस्ट करने में तेजी आएगी और हम इस आपातकाल में अपना अहम योगदान दे पाएंगे। इसमें लोगो के टेस्ट फ्री में, तो कुछ लोगों से 500 रुपए भी चार्ज किए जाएंगे।

रेलवे की नौकरी मिलते ही खत्म हुई पहलवान जाधव की आर्थिक तंगी

नई दिल्ली।

ग्रीको रोमन पहलवान सनी जाधव, जो कि आजीविका चलाने के लिए कार धोने सहित कई अजीबोगरीब काम कर रहे थे, को आखिरकार भारतीय रेलवे में खेल कोटे से नौकरी मिल गई। इंदौर से 60 किलोग्राम भारवर्ग में राष्ट्रीय रजत पदक विजेता ने आईएएनएस से कहा, एक नियमित सरकारी नौकरी मुझे और मेरे परिवार को बड़ी वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। इससे मुझे केवल प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने और अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। 25 वर्षीय जाधव पश्चिम रेलवे में क्लर्क के रूप में शामिल हुए हैं। 2017 में उनके पिता के निधन के बाद जाधव की वित्तीय स्थिति खराब हो गई। फरवरी में, खेल मंत्रालय ने जाधव के लिए 2.5 लाख रुपये मंजूर किए थे। जाधव का कहना है कि राष्ट्रीय चैंपियनशिप की तैयारी के लिए उन्होंने दोस्तों और परिवार से पैसे उधार लिए थे। जाधव ने कहा, मैंने अपने कोच और अन्य लोगों से लिए गए कर्ज को चुका दिया है। जालंधर में फरवरी में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में जाधव 60 किग्रा में दूसरे स्थान पर रहे। अर्जुन अवार्डी और रेलवे टीम के कोच कृपा शंकर पटेल ने आईएएनएस को बताया, जाधव को प्रतिभा कोटा योजना के तहत चुना गया है जिसका उद्देश्य भविष्य में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं का समर्थन करना है।

धवन ने लोगों से प्लाज्मा डोनेट करने की अपील की

मुंबई।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कोविड-19 से ठीक हो चुके लोगों से शनिवार को अपील की कि वे आगे आएं और अपने रक्त प्लाज्मा का दान करें ताकि गंभीर रूप से बीमार मरीजों की जान बचाई जा सके। डीसी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें धवन ने कहा, पूरा देश कोविड-19 की चपेट में है और लोग अपने प्रियजनों को बचाने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं। वे अस्पतालों और ब्लड बैंकों तक पहुंच रहे हैं। लेकिन आपके पास (कोविड बचे हुए) एक महाशक्ति है जिसके साथ आप जीवन बचा सकते हैं। उन्होंने कहा, यदि आपने कोविड-19 को हराया है, तो सर्वशक्तिमान ने आपको एक महाशक्ति प्रदान की है। इसे बेकार मत जाने दो। यथासंभव आशीर्वाद प्राप्त करें क्योंकि जब आप मुसीबत में होते हैं, तो केवल आशीर्वाद मदद करते हैं। प्रोजेक्ट प्लाज्मा कोविड-19 को हरा देगा, इसलिए प्लाज्मा दान करें और आशीर्वाद प्राप्त करें। देश भर में फैले कोविड-19 की दर से चिंतित डीसी ने हाल ही में उन लोगों के लिए एक अभियान शुरू किया है, जो इस बीमारी से उबर चुके हैं। दिल्ली कैपिटल्स ने ऐसे लोगों से आगे आने और अपने प्लाज्मा का दान करने की अपील की है।

आलराउंडर स्टोक्स ने चेन्नई की पिच लेकर जताई अपनी चिंता

लंदन।

इंग्लैंड के आलराउंडर बेन स्टोक्स ने आईपीएल के मौजूदा सीजन में पिचों को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है। उन्होंने शनिवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जैसे जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा, तो विकेट बेकार नहीं होगा। स्टोक्स चोट के कारण आईपीएल के मौजूदा सीजन से बाहर हो गए हैं। वह राजस्थान रॉयल्स की टीम का हिस्सा थे। स्टोक्स ने ट्वीट कर कहा, उम्मीद है कि विकेट आईपीएल 2021 के सीजन को बेकार नहीं करेगा, जैसे-जैसे ये टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा। किसी भी विकेट पर न्यूनतन स्कोर 160 से 170 के बीच बनना चाहिए। गौरतलब है कि शुक्रवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में की पिच काफी धीमी थी और मुंबई इंडियंस की टीम इस पिच पर छह विकेट पर 131 रन ही बना सकी, जिसे पंजाब किंग्स ने एक विकेट खोकर हासिल कर लिया।

टीम का ध्यान टूर्नामेंटों पर नहीं, टोक्यो ओलंपिक पर है : निक्की प्रधान

बेंगलुरू।

भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफील्डर निक्की प्रधान ने शनिवार को कहा कि खिलाड़ियों का ध्यान इस बात पर नहीं है कि वे अगला टूर्नामेंट खेलेंगी या नहीं, बल्कि उनका ध्यान केवल टोक्यो ओलंपिक के लिए अपनी ट्रेनिंग पर है। प्रधान ने कहा, हम इस बारे में नहीं सोचना चाहते हैं कि हमें अगला दौरा खेलने को मिलेगा या नहीं। कोविड-19 के कारण दुनिया भर में बदलती स्थिति के साथ, हमारे मुख्य कोच हमें उन मुद्दों के बारे में सोचने के लिए नहीं कहते हैं जो हमारे नियंत्रण में नहीं हैं। हम बेंगलुरु में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) सेंटर में कड़ी ट्रेनिंग करके खुश हैं। ओलंपिक को शुरू होने में अब 100 दिन से भी कम समय बचा है। प्रधान का मानना है कि अर्जेंटीना और जर्मनी के दौरे से टीम को ओलंपिक की तैयारी के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा, ओलंपिक के लिए हमारी तैयारियों में दुनिया के नंबर 2 अर्जेंटीना और दुनिया के नंबर 3 जर्मनी के खिलाफ खेलने का अनुभव बहुत महत्वपूर्ण रहा है। टीम के कई युवाओं ने कभी भी इस तरह की टीमों का सामना नहीं किया था और इन शीर्ष देशों के खिलाफ टीम के आंकड़े उन क्षेत्रों को प्रोजेक्ट करते हैं, जिन पर हमें काम करने की जरूरत है। 2016 रियो ओलंपिक में खेलते हुए ओलंपिक में भाग लेने वाले झारखंड के पहले हॉकी खिलाड़ी बने प्रधान ने कहा कि विशेष रूप से लक्ष्य-स्कोरिंग अवसरों को परिवर्तित करने में बहुत सुधार की गुंजाइश है।

मोर्गन, रोहित को फाइन लगा तो मुझे अच्छा लगा : पीटरसन

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज केविन पीटरसन ने इंडियन प्रीमियर लीग में धीमी ओवर गति के लिए मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा और कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान इयोन मोर्गन पर जुर्माना लगाए जाने पर संतोष व्यक्त किया। पीटरसन ने कहा कि टी20 क्रिकेट में देरी के लिए कोई जगह नहीं है क्योंकि यह एक मनोरंजन पैकेज है और इसमें छेड़छाड़ मंजूर नहीं। बेटवे डॉट कॉम पर अपने ब्लॉग पर पीटरसन ने लिखा, यह खिलाड़ियों के लिए एक महान संदेश है कि रोहित शर्मा और इयोन मोर्गन पर इस सप्ताह धीमी गति से अधिक दरों के लिए जुर्माना लगाया गया। टी20 क्रिकेट एक मनोरंजन पैकेज है। इसमें चौके, छक्के, विकेट और मिसफिल्ड सभी के लिए जगह है लेकिन नाहक देरी के लिए नहीं। दर्शकों को ये सभी तीन घंटे के भीतर चाहिए लहोता है। पीटरसन ने आगे लिखा, मुझे याद है कि जब मैंने पहली बार 2004 में टी20 मैच खेले थे तो स्कोरबोर्ड पर टाइमर लगा था और आपको समय से अपने ओवर पूरे करने थे। इसमें कोई समझौता नहीं हो सकता था।

‘मैंने इस विचार को ही खारिज कर दिया था कि मैं जिसे हासिल करने की कोशिश कर रहा हूं वह असंभव है!’ रणवीर के अनुसार वह इस भरोसे के साथ सपनों के पीछे पड़े रहे कि उनके लिए कोई भी चीज असंभव नहीं है।

जिंदगी में असफलता जैसी कोई चीज नहीं होती सिर्फ सबक होते है

बॉलीवुड स्टार और यूथ आयकॉन रणवीर सिंह एक कल्चरल फिनॉमिना हैं- वह एक एक्टर हैं, फैशन के क्षेत्र की प्रामाणिक हस्ती हैं, इंडियन हिप हॉप का चेहरा हैं और एक आर्टिस्ट इंटरप्रेन्योर भी हैं- वह वास्तव में लीक से हट कर चलने वाले शख्स हैं और भारतीय मनोरंजन जगत के गेम-चेंजर हैं।

बॉलीवुड के लिए पूरी तरह से ऑउटसाइडर और इंटरटेनमेंट बिजनेस के सेल्फ-मेड दिग्गज रणवीर ने एक दशक के दौरान इस पूरे दौर को परिभाषित करने वाले अपने अद्भुत प्रदर्शनों के दम पर भारतीय सिनेमा के इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है। उनका कहना है कि जिंदगी में उन्होंने हर चीज इस यकीन की बदौलत पाई है कि कुछ भी असंभव नहीं होता।

एक सच्चे यूथ आयकॉन के रूप में इस विशाल राष्ट्र ने रणवीर पर स्पॉटलाइट केंद्रित कर रखी है। उन्होंने कलाकारों का एक सामूहिक मंच ‘इंकइंक’ तैयार करके म्यूजिक इंडस्ट्री में भी सामने से मोर्चा संभालना तय किया है- यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जो देश के कोने-कोने में बसे प्रतिभाशाली संगीतकारों को वैश्विक फलक पर चमकने में मदद करता है। हमने रणवीर सिंह से इस बारे में बातचीत की है कि उन्होंने असंभव को संभव बनाने के लिए अपना भरोसा किस तरह कायम रखा!

आपके करियर की शुरुआत में आपको कई बार नकारा गया और अब आप एक स्टार बन चुके हैं। हमें इस बारे में कुछ बताइए कि आपने जब एक स्ट्रगलर के रूप में अपनी अनिश्चितताओं से भरी शुरुआत की थी तब वह समय कैसा था? यह भी बताइए कि आपने लक्ष्य पर अपनी नजर किस तरह बरकरार रखी और खुद को समझाते रहे कि दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं है?

मेरे संघर्ष वाले वर्षों के दौरान ऐसे कई क्षण आए, ऐसी कई घटनाएं पेश आईं, जब मुझे लगा कि कोई उम्मीद ही नहीं बची है। मोटे तौर पर इस विशिष्ट और आसानी से प्रवेश न देने वाली इंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के भीतर कदम रखना असंभव नजर आ रहा था। लेकिन मैं डटा रहा- आप कह सकते हैं कि मैं इंडस्ट्री में दिलोजान से दाखिल भी होना चाहता था और बेवकूफ भी था, और इस सबसे बड़ी बात यह थी कि मुझे अपनी काबिलियत, संभावनाओं और क्षमताओं पर पूरा भरोसा था। उस वक्त भी, जब मेरे पास कुछ नहीं था, मेरी गतिविधियों की पहचान इसी जोश, लगन, जिम्मेदारी, सावधानी और चुस्ती भरे कामों से हुआ करती थी। मुझे अच्छी तरह से पता था कि यहां चुटकियों में कुछ हासिल होने वाला नहीं है। लेकिन मुझे यकीन था कि एक दिन यह होकर रहेगा। जब लंबे समय तक काम से संबंधित कोई अच्छी खबर नहीं मिलती थी, महीनों तक फोन नहीं बजा करता था, तो मेरा भरोसा डगमगाने लगता था। लेकिन मैं इस विचार को ही खारिज कर चुका था कि मैं जिसे हासिल करने की कोशिश कर रहा हूं वह कोई असंभव चीज है। मैंने कठिन से कठिन समय में भी अपने लक्ष्य से ध्यान नहीं हटाया। मैंने कायनात को लगभग मजबूर कर दिया था कि वह इसे मेरे लिए संभव बनाए! मेरा दृढ़ निश्चय व एकाग्रता आखिरकार रंग लाई और मेरा सपना मेरी हकीकत बन गया! तब से हर रोज मुझे यही अहसास होता है कि जैसे मैं कोई सपना देख रहा हूं।’

जब आप फिल्म इंडस्ट्री में आए तो आपसे कहा गया था कि आपका किसी सर्वगुणसंपन्न एक्टर जैसा खास लुक नहीं है, और न ही आपकी फिल्मों से जुड़ी कोई वंशावली है। आज आप भारत के ग्लोबल यूथ आयकॉन बन चुके हैं। सुपरस्टारडम के इस सफर में आपकी सबसे बड़ी सीख क्या रही?

जब युवा एक्टर; खासकर ‘ऑउटसाइडर’ मेरे पास सलाह मांगने आते हैं कि स्ट्रगल करते हुए आगे कैसे बढ़ा जाए, तो सबसे पहली और सबसे अहम बात मैं उनसे यही कहता हूं कि अपना करियर उचित कारणों के लिए आगे बढ़ाइए। सिर्फ इस वजह से स्ट्रगल कीजिए कि परफॉर्म करना ही आपकी जिंदगी है। मैं उनसे आग्रह करता हूं कि परफॉर्मिंग आर्ट्स या इंटरटेनमेंट बिजनेस के प्रलोभन में महज इसलिए न पड़ें कि इस फील्ड में शोहरत और पैसे के साथ कामयाबी मिलती है। ये सब क्षणिक हैं, अस्थायी हैं, दिखावा हैं- केवल फंसाने वाली चीजें हैं। इसीलिए मैं उनसे कहता हूं कि वे अपने हुनर व कला के प्रति ईमानदारी बरतें और परफॉर्म करने का आनंद उठाने के लिए, परफॉर्मिंग से प्यार होने के कारण इस फील्ड में आएं। इस सफर में मैंने एक और चीज सीखी है कि खरापन व प्रामाणिकता सबको समझ में आती है और इसकी वजह से लोग आपके साथ सबसे ज्यादा जुड़ते हैं। अगर आप खुद को कुछ ऐसा दिखाने की कोशिश करते हैं, जो अंदर से आप नहीं हैं तो आप अपना नुकसान कर रहे हैं। अगर आप अपनी आत्मा के प्रति सच्चे हैं, अगर आप जज किए जाने का भय अपने दिमाग से निकाल चुके हैं, तभी आपकी शख्सियत सबसे ज्यादा उभर कर सामने आएगी। मैं उनसे कहता हूं कि ‘आप आप बने रहें’। मौलिक रहें, अपना अनोखापन बरकरार रखें। और दूसरी अहम चीज मैंने यह सीखी है कि जोखिम उठाते रहिए। जितना बड़ा जोखिम उतना बड़ा फल! इस प्रक्रिया में आपसे गलतियां और गड़बड़ियां हो सकती हैं, लेकिन मेरा मानना है कि जिंदगी में असफलता जैसी कोई चीज नहीं होती, सिर्फ सबक होते हैं।

आपके करियर ने वाकई यह साबित कर दिया है कि आपके लिए असंभव जैसी कोई चीज ही नहीं है। अब आप सपने देखने वाले साथियों को, जो म्यूजिक इंडस्ट्री के लिए पूरी तरह से ऑउटसाइडर हैं, एक विशाल मंच मुहैया करा रहे हैं। हमें उस क्षण के बारे में बताइए जब आपने यह फैसला किया कि किसी ऑउटसाइडर को अपने जैसे ऑउटसाइडर साथियों का साथ देना चाहिए?

आपके पास अपनी चमक बिखेरने वाले महान क्षण तक पहुंचने का जुनून, साहस और धीरज अवश्य हो सकता है। इस पल को हासिल करने की आप अंतहीन प्रतीक्षा भी कर सकते हैं। लेकिन इस पहेली और प्रक्रिया में अक्सर जो चीज नदारद रहती है, वह है ‘मौका’। मेरा सारा प्रयास इतना कठिन इसलिए बन गया कि मौके ही नहीं मिलते थे। मैं सपने देखने वाले साथियों के लिए यही मौके उपलब्ध कराना चाहता हूं। जुनून में उबल रहे युवा कलाकारों को अवसर उपलब्ध कराना चाहता हूं। मुझे उनको अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाला मंच देना है। कर्ज उतारने का यह मेरा अपना ढंग है। यह मुझे मिलने वाली दुआओं को आगे बढ़ाने का मेरा अपना रास्ता है। यह कायनात का शुक्रिया अदा करने का मेरा निजी तरीका है।

अपना डेब्यू करते वक्त आप वाकई एक अंडरडॉग खिलाड़ी थे और अब आप 83, गली ब्वॉय, जयेशभाई जोरदार जैसी अंडरडॉग फिल्मों में काम कर रहे हैं। इन भूमिकाओं को निभाने के लिए आप ‘कुछ भी असंभव नहीं’ वाली अपनी रियल लाइफ यात्रा से कितनी प्रेरणा या मदद लेते हैं?

हर मुख्तलिफ किरदार निभाने के लिए आपको अपने अनुभवों का खजाना खंगालना पड़ता है, ताकि चरित्र-चित्रण विश्वसनीय, आंतरिक और ईमानदार लगे। अपने अंडरडॉग किरदारों के साथ मैं गहरी सहानुभूति रखता हूं, क्योंकि मैं भी अपनी लाइफ में ऐसे ही हालात से दो-चार होता रहा हूं। ‘गली ब्वॉय’ फिल्म का एक डायलॉग है, जिसका मोटे तौर पर यह मतलब है: ‘अपनी हकीकत से बावस्ता करने के लिए मैं अपने सपने नहीं बदल सकता, बल्कि अपने सपनों से बावस्ता करने के लिए मैं अपनी हकीकत को ही बदल डालूंगा।’ मैंने इस भावना को अपनी आत्मा की गहराइयों में महसूस किया है। जब इन किरदारों को तमाम विषम परिस्थितियों के खिलाफ खुद को साबित करना पड़ता है, तो उस संघर्ष के साथ मैं बड़े ही जाने-पहचाने ढंग से जुड़ जाता हूं। गली ब्वॉय में मुराद असंभव को संभव बना देता है। फिल्म 83 में कपिल के गुस्ताख नामुमकिन को मुमकिन बना डालते हैं। मैं इन भूमिकाओं को इसलिए विश्वसनीय बना पाता हूं कि मैंने खुद ऐसे हालात का सामना किया है। मैं इन किरदारों के मोहभंग और मायूसी को महसूस कर सकता हूं, उनका गुस्सा, असंतोष और आक्रोश समझ सकता हूं, उनकी कुंठा और हताशा का अनुभव कर सकता हूं, उनके साहस और धैर्य की थाह ले सकता हूं... और मैं यह सब बड़ी गंभीरता व गहराई के साथ कर पाता हूं, क्योंकि मैं खुद इन मारक भावनाओं से गुजर चुका हूं। मैंने यह सब खुद असली रूप में झेला है।’

सिंगल ट्रैक हमारा वर्तमान हैं भविष्य नही: सुकृति कक्कड

गायिका सुकृति कक्कड़ के हालिया सिंगल ट्रैक गलत होगया को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। कई सिंगल ट्रैक की तरह ही यह गाना भी चार्ट पर शीर्ष स्थानों में जगह बनाने पर कामयाब रहा है। यह प्रतिक्रियाएं दावा करती हैं, कि इंडिपेंडेंट ट्रैक बॉलीवुड संगीत को कड़ी टक्कर दे रहा हैं। सुकृति को लगता है कि उभरते संगीतकारों के लिए यह बहुत अच्छा समय है। हाल ही में सुकृति ने अपनी जुड़वां बहन प्रकृति कक्कड़ और अमाल मलिक के साथ अंतर्राष्ट्रीय पॉप स्टार दुआ लीपा की हिट लेविटेटिंग के साथ काम किया है। अपने सिंगल ट्रैक की सफलता के बारे में बात करते हुए सुकृति ने कहा, पिछले एक साल में कुछ ही ऐसी फिल्में आई हैं, जिनका संगीत चार्ट पर अच्छा रहा है। बेशक, बहुत कम रिलीज हुई हैं। हमेशा गैर-फिल्मी संगीत और फिल्म संगीत के बीच तुलना की जाती है लेकिन मुझे लगता है कि धीरे-धीरे रेखाएं गायब हो रही हैं। वह कहती है, मुझे नहीं लगता कि सिंगल ट्रैक भविष्य हैं, यह हमारा आज है और अभी ठहरेगा। सिंगल ट्रैक बहुत बढ़ता जा रहा है। अगर यह एक अच्छा गीत है और अच्छी तरह से इसकी मार्केटिंग हुई है, तो यह बॉलीवुड की तुलना में ज्यादा पसंद किया जाता है। मुझे लगता है कि यह संगीतकारों और उभरते कलाकारों के लिए बहुत अच्छा समय है। सुकृति के लिए अमाल और बहन प्रकृति के साथ लेविटेटिंग में सहयोग करना रोमांचित रहा है। वह कहती हैं,यह हमारे लिए एक बड़ा सपना है। इस तरह की चीजें हर दिन नहीं होती हैं। इस तरह की शुरूआत पहले ही चरण में हमारे साथ होना एक आशीर्वाद है। यह इसलिए भी खास है क्योंकि अमाल, प्रकृति और मैं पहली बार एक साथ आ रहे हैं।

देशभक्ति दिखाने का इससे जरूरी समय कभी नहीं आएगा: सोनू सूद

कोरोना महामारी से लोग बेहाल हैं। किसी की आर्थिक हालत खराब हो गई तो किसी को इलाज नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में कुछ लोगों की मदद सोनू सूद पिछले एक वर्ष से कर रहे हैं। सोनू भी आखिर अकेले हैं, कितने लोगों की मदद कर सकते हैं? सोनू का मानना है कि यदि सभी लोग मिल-जुल कर इस महामारी से लड़े तो आसानी होगी।

सोनू ने एक ट्वीट कर लोगों को आगे बढ़ कर आने की अपील की है। उन्होंने ट्वीट किया है- 15 अगस्त को देश भक्ति दिखाने वालों के लिए संदेश- देश के लिए कुछ करने और देशभक्ति दिखाने का इससे जरूरी समय कभी नहीं आएगा।

जाहिर सी बात है, सोनू ने उन लोगों को फटकार लगाई है जो स्वतंत्रता दिवस या गणतंत्र दिवस के दिन देशभक्ति दिखाते हैं, जबकि आज वे मैदान में उतर कर जरूरतमंदों की मदद करें तो इससे बेहतर समय कभी नहीं आएगा।

सनी ने सूरज को चूमकर वेब पर गर्मी फैलाई

सनी लियोनी ने तस्वीरों की एक कड़ी शेयर की, जिसमें वह सूरज को चूमती हुई नजर आ रही हैं। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हुई सात स्वीरों में सनी डेनिम शॉर्ट ड्रेस में टैन जैकेट पहनी हुई हैं। अपने लुक को पूरा करने के लिए वह स्नीकर्स और चंकी सनग्लासेज पहने हुई हैं। सूरज की किरणें सनी के चेहरे पर चमक रही हैं और उनकी त्वचा भी चमक रही है। कैप्शन के रूप में उन्होंने लिखा-- सूरज को चूमा। सनी फिलहाल अपनी आने वाली फिल्म साइकोलॉजिकल थ्रिलर शेरो की शूटिंग के लिए केरल में हैं। उन्होंने हाल ही में राज्य में रियलिटी टीवी शो एमटीवी स्प्लिट्सविला के लिए भी शूटिंग की थी। शेरो का निर्देशन श्रीजीत विजयन कर रहे हैं और तमिल, हिंदी, तेलुगू और मलयालम में रिलीज होगी । सनी वेब शो अनामिका के साथ डिजिटल स्पेस पर अपनी शुरुआत करने के लिए तैयार हैं, जो एशन थ्रिलर गन-फू का रूपांतर है और इसका निर्देशन विक्रम भट्ट कर रहे हैं।

एक्टर अमित मिस्त्री का दिल का दौरा पड़ने से निधन

कई हिंदी, गुजराती फिल्मों और शो में काम कर चुके अभिनेता अमित मिस्त्री का शुक्रवार सुबह (23 अप्रैल) को कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया। हाल ही में अमेज़न प्राइम पर रिलीज हुई बैंडिश बैंडिट्स में अहम भूमिका में नजर आये थे। अभिनेता ने एक गायक की भूमिका निभाई थी। अभिनेता ने क्या कहना, एक चालीस की लास्ट लोकल, 99, शोर इन द सिटी, यमला पगला दीवाना, बे यार, ए जेंटलमैन और अमेज़न प्राइम सीरीज़ बैंडिश बैंडिट्स जैसी फिल्मों में काम किया था।

सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन ने अमित मिस्त्री के निधन पर शोक व्यक्त किया। एसोसिएशन के आधिकारिक ट्विटर हैंडल ने अभिनेता को श्रद्धांजलि दी और प्रशंसकों को सूचित किया कि वह 2004 से संस्था के सदस्य थे।

कई बॉलीवुड और टीवी कलाकार अमित मिस्त्री को श्रद्धांजलि देने के लिए सोशल मीडिया पर गए। अभिनेताओं ने लिखा कि प्रतिभाशाली अभिनेता के आकस्मिक निधन के बारे में जानकर उन्हें दुख हुआ।

हंसगुल्ले

राजू (पापा से) - पापा, अगर मैं फिर परीक्षा में फेल हो गया तो मैं आत्महत्या कर लूंगा।
पापा - खबरदार, तुमने आत्महत्या की बात भी की तो जान से मार दूंगा।

•••••••

कवि सम्मेलन में एक कवि अपनी कविता पढ़ रहे थे। श्रोताओं ने उनसे रात भर कविता पढ़ने का अनुरोध किया।
कवि (श्रोताओं से) - क्या आपको यह कविता इतनी पसंद आई ?
श्रोता - नहीं, आज हमारे मुहल्ले का चौकीदार छुट्टी पर गया है।

•••••••

रोहन -बसंती, खेलने के क्या-क्या फायदे होते हैं ?
बसंती - सबसे बड़ा फायदा तो यही है कि जब तक हम खेलते हैं, तब तक हमें पढ़ना नहीं पड़ता।

•••••••

मोहन - पापा, आपने नया नौकर क्यों रखा है ?
पिता - बेटा, घर का सारा काम करने के लिए।
मोहन - पापा, फिर वह मेरा होमवर्क क्यों नहीं करके देता ?

•••••••

पिता (बेटे से पूछते हैं)- अंग्रेजी में तुम्हारे कम नम्बर क्यों आए ?
बेटा - अनुपस्थित होने से।
पापा - लेकिन तुम तो पेपर देने गए थे।
बेटा - हां, मैं तो गया था, लेकिन मेरे पास बैठने वाला छात्र अनुपस्थित था।

•••••••

पिता - मूर्खों के सभी प्रश्नों के उत्तर एक बुद्धिमान नहीं दे सकता।
पुत्र - जी हां, तभी तो मैं परीक्षा में हर बार फेल हो जाता हूं।

•••••••

राहुल बड़ी देर से घर आया।
पापा - कहां पर थे तुम ?
राहुल - दोस्त के घर पर था।
पापा ने राहुल के सामने 10 दोस्तों को फोन किया।
4 ने कहा, 'हां अंकल यहीं पर है।'
2 ने कहा, 'अभी निकला है।'
3 ने कहा, 'यहीं पर है। पढ़ रहा है। फोन दूं क्या ?'
एक ने हद कर दी। बोला, 'बोलो पापा क्या हुआ है ?'

•••••••

संता ट्रैफिक पुलिस के इंटरव्यू के लिए गया।
इंटरव्यू लेने वाला - एक आदमी गधे की सवारी करता हुआ रोड से जा रहा है और उसने हेलमेट नहीं पहना है तो आप उसे क्या दंड देंगे ?
संता - कोई दंड नहीं दूंगा सर।
इंटरव्यू लेने वाला - क्यों ?
संता - क्योंकि हेलमेट 2 व्हीलर के लिए जरूरी है, 4 व्हीलर के लिए नहीं।

•••••••

राजू (पिंकी से)- आंसर शीट में क्या लिखूं ?
पिंकी- यही कि सभी उत्तर काल्पनिक हैं, जिनका किसी भी किताब से कोई संबंध नहीं है।

•••••••

रिमी का बाल बैंड

पांच साल की नन्ही सी रिमी बहुत शरारती थी और होती भी क्यों ना? भला बिना शरारत क्या बचपन और कैसा बच्चा? रिमी की मां रोली टीचर थीं। उनके घर में खूब पत्र-पत्रिकाएं आती थीं। कभी-कभी रिमी शरारत करते हुए पुरानी पत्रिकाओं को अपने इर्द-गिर्द फैलाकर बैठ जाती और फिर मोटे-मोटे अक्षरों को अपनी रफ कॉपी में लिखकर शाम को अपनी मम्मी को दिखाती। उसकी मां रोली रिमी की तीव्र बुद्धि देखकर दंग रह जातीं। रिमी बड़े-बड़े वाक्यों को हूबहू कॉपी में उतारकर मां के पास ले जाती और कहती, 'मां पढ़ो तो। भला मैंने क्या लिख दिया?' उसकी भोली बात पर रोली मुस्कराती। नन्ही रिमी का 'भला' तकियाकलाम बन गया था।

एक दिन रिमी की मां रोली तैयार होकर स्कूल के लिए निकल रही थीं। उस दिन रिमी की छुट्टी थी। रिमी ने रोली को लिपस्टिक लगाते हुए देखकर कहा, 'मम्मी भला एक बात तो बताओ।'

रोली समझ गईं कि रिमी की प्रश्नों की टेप शुरू हो गई।

वह बोलीं, 'बोलो, भला क्या बात बताऊं?' इस पर रिमी बोली, 'मम्मी जब आप बूढ़ी हो जाओगी, तब भी लिपस्टिक लगाओगी।'

रिमी के मासूम सवाल पर रोली ऐसे हंसी कि लिपस्टिक उसके हाथ से फिसलकर गाल पर लगते हुए रिमी की गोद में जा गिरी। रोली ने रिमी को ढेर सा प्यार किया और बोली, 'बेटा, भला ऐसा कौन कहता है कि बूढ़े लोग लिपस्टिक नहीं लगा सकते।'

मम्मी के जवाब पर रिमी कुछ सोचती रही और इसी बीच रोली उसे प्यार कर अपने स्कूल के लिए निकल पड़ी।

रिमी अकसर अपनी मां की हर चीज की कॉपी करती थी। कभी उनके दुपट्टे की साड़ी बनाकर पहनती थी तो कभी उनकी क्लिप अपने बालों में लगाती थी। रिमी को रंग-बिरंगे हेयर बैंड लगाने का बहुत शौक था। रोली ने रिमी के लिए ढेर सारे हेयर बैंड लाकर रखे हुए थे। उसके पास उसकी ड्रेस से मैच करते अनेकों हेयर बैंड थे।

रिमी घूमने जाते समय अपनी ड्रेस से मैच करके हेयर बैंड लगाकर और अपने कंधे पर छोटा सा पर्स टांग कर कहती थी, 'मम्मा मैं तो कब से तैयार हो गई हूं और आप अभी तक ऐसे ही खड़े हो।'

रिमी को गुलाबी रंग का हेयर बैंड बहुत खूबसूरत लगता था। वह हेयर बैंड काफी महंगा भी था। उसमें सिल्वर रंग के नग लगे हुए थे और रेशमी महीन गुलाबी धागे। रिमी उस हेयर बैंड को पहनकर बिल्कुल परी लगती थी। एक दिन रोली बाजार जा रही थी तो रिमी ने भी जिद पकड़ ली कि वह भी मां के साथ बाजार जाएगी और वापसी में आइसक्रीम खाएगी।

रोली उसे अपने साथ ले जाने लगी तो रिमी बोली, 'एक मिनट मम्मा, मैं जरा अपना हेयर बैंड लगा आऊं।' कुछ ही देर बाद रिमी अपने गुलाबी हेयर बैंड को सिर का ताज बनाकर चली आई।

रोली उसे लेकर बाजार में घूमने लगी। रोली ने कुछ सब्जी-फल और जरूरत की वस्तुएं खरीदीं और फिर रिमी को आइसक्रीम पार्लर की ओर लेकर चल दीं। आइसक्रीम पार्लर से कुछ दूरी पर बहुत सारे बच्चे फटे हुए चिथड़ों में एक सड़े हुए सेब को पाने के लिए लड़ रहे थे। यह देखकर रोली अत्यंत गमगीन हो गई। तभी उसकी नजर रिमी पर गई तो उसने देखा कि एक मैली-कुचैली सी लड़की रिमी से कुछ बोल रही थी। रोली ने उस लड़की को देखा। वह लड़की रिमी के गुलाबी हेयर बैंड की तरफ इशारा करते हुए बोली, 'मुझे, यह दे दो। मैं भी इसे अपने बालों में लगाऊंगी और तुम्हारी तरह सुंदर बन जाऊंगी।'

नन्ही रिमी ने अपनी बड़ी आंखों से उस लड़की को देखा और कुछ सोचते हुए अपना हेयर बैंड उतारकर उसकी ओर बढ़ा दिया। लड़की ने लपककर हेयर बैंड ले लिया और खुश होकर अपने साथियों के बीच पहुंच गई। यह देखकर रोली बोली, 'बेटा, यह तुमने क्या किया? गुलाबी हेयर बैंड तो तुम्हारा फेवरेट बैंड था। तुमने उसे क्यों दे दिया?' इस पर रिमी बोली, 'मम्मा, मेरे पास एक नहीं बहुत सारे हेयर बैंड हैं। अगर वह मेरा फेवरेट भी था तो क्या हुआ? उसे भी तो वही पसंद था।'

मासूम रिमी की बात सुनकर रोली दंग रह गई। रिमी की बात पर रोली ने उन सभी बच्चों के लिए ढेर से फल खरीदे और उन में बांट दिए। उनमें वह लड़की भी थी, जिसे रिमी ने अपना हेयर बैंड दिया था। अब वह हेयर बैंड उस लड़की के बालों की शोभा बढ़ा रहा था। उसके बालों में गुलाबी हेयर बैंड को लगा हुआ देखकर रिमी रोली से बोली, 'मम्मा, इस लड़की के बालों में हेयर बैंड लगा देखकर मुझे इसका एक नया नाम सूझा है।'

रोली उसकी बात समझ नहीं पाई और बोली, 'क्या बेटा?' रिमी तपाक से बोली, 'भला, मम्मी हेयर बैंड को हम बालों में लगाते हैं तो वह हिन्दी में बाल बैंड हुआ ना। हेयर बैंड तो अंग्रेजी का शब्द है।' नन्ही मासूम रिमी के हेयर बैंड के नए शब्द बाल बैंड की खोज पर रोली मुस्करा उठी और उसे गोद में उठाकर आइसक्रीम पार्लर में चली गई।

रिमी को गुलाबी रंग का हेयर बैंड बहुत खूबसूरत लगता था। वह हेयर बैंड काफी महंगा भी था। उसमें सिल्वर रंग के नग लगे हुए थे और रेशमी महीन गुलाबी धागे। रिमी उस हेयर बैंड को पहनकर बिल्कुल परी लगती थी। एक दिन रोली बाजार जा रही थी तो रिमी ने भी जिद पकड़ ली कि वह भी मां के साथ बाजार जाएगी और वापसी में आइसक्रीम खाएगी।

पहेलियाँ

मेरा भाई बड़ा शैतान
बैठे नाक पर पकड़े
कान
• • •
साथ-साथ मैं जाती हूँ
हाथ नहीं मैं आती हूँ
• • •
हरा आटा लाल पराँठा
सखियों ने मिलकर
बांटा
• • •
दिन में लटकी
रात में अटकी
• • •
सिर पर पत्थर
पेट में अंगुलि
• • •
सदा करूं चौकीदारी
मेरे दम पे दुनियादारी
• • •
एक लड़का जनम
का हीना
जिन देखा तिन थू-थू
कीना
• • •
चल पड़ती तो चल
जाती
बिना सहारे ठहर न
पाती
• • •
छोटे से मियाँ जी
दाढ़ी सौ गज की

उत्तर- चश्मा, परछाईं, मेहँदी, सांकल, अंगूठी, ताला, पीकदान,साइकिल, सुई धागा

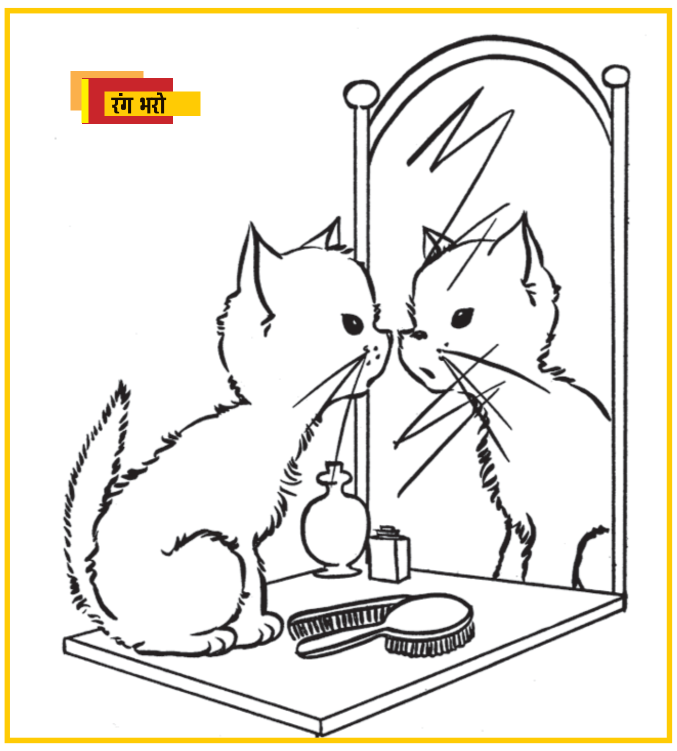

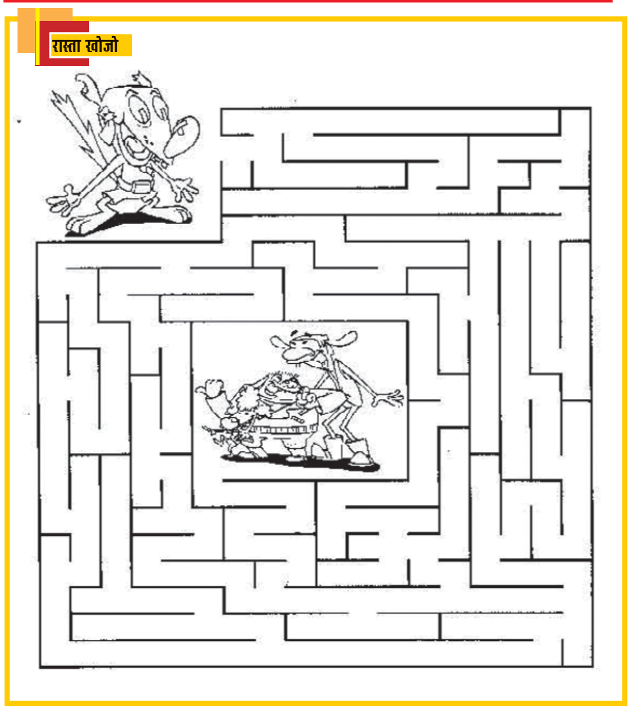

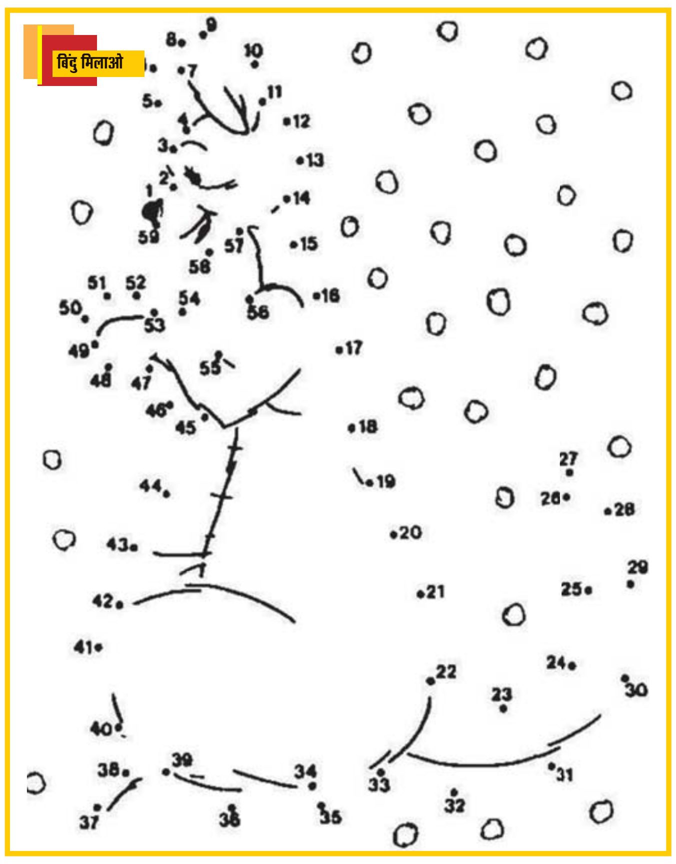

ये खेलोगे तो... दिमाग और तेज दौड़ेगा

मन से पढ़ाई करो। ध्यान से खेलो। क्या तुम्हें भी तुम्हारी टीचर या पापा-मम्मी बात-बात पर ये कहते हैं और तुम्हें लगता है कि तुम तो ध्यान लगाकर ही काम कर रहे हो। यह एक सच्चाई है कि कुछ बच्चों को शुरुआत में किसी चीज पर ध्यान केंद्रित करने में परेशानी होती है। आज के समय में यह बड़ी कॉमन प्रॉब्लम है। अगर तुम्हें लगता है कि तुम्हें, तुम्हारे भाई-बहन या किसी दोस्त को ध्यान लगाकर कोई काम करने में परेशानी होती है तो क्यों न कुछ मजेदार खेल खेला जाए। इससे तुम पहले से कहीं बेहतर तरीके से ध्यान भी केंद्रित कर पाओगे और साथ ही साथ मौज-मस्ती भी हो जाएगी। तुम ये खेल अपने स्टडी रूम से लेकर स्कूल जाने के दौरान बस में, कहीं भी खेल सकते हो और हां! इनकी मदद से तुम और स्मार्ट भी बन जाओगे।

मिसिंग नंबर्स

यह उनके लिए अच्छा है, जिन्हें गिनती आती है। मान लो, तुम अपनी याददाश्त बनाने के लिए यह गेम खेलना चाहते हो, तो अपने घर के किसी सदस्य या दोस्त को कहो कि वह 1 से 20 तक गिनती करे और बीच-बीच में कोई अंक छोड़ता रहे। जैसे ही वह कोई अंक नहीं बोलता है, तुम तुरंत वह अंक बता दो। अगर यह गेम थोड़ा बड़ा बच्चा खेल रहा है तो सिंपल एक, दो, तीन की काउंटिंग की जगह नंबर्स के मल्टिपल्स जैसे तीन, छह, नौ, बारह बोलकर यह गेम खेल सकते हो। यह गेम सिर्फ तुम्हारे लिए ही नहीं है, तुम्हारे पेरेंट्स भी चाहें तो यह गेम खेल सकते हैं और यह उनके लिए भी काफी चेलेंजिंग हो सकता है।

अपोजिट्स

यह तुम जैसे छोटे बच्चों के लिए बहुत अच्छा है। अगर तुम अपने भाई-बहन के साथ यह गेम खेल रहे हो तो उसके सामने कोई शब्द बोलो और उसे उस शब्द का अपोजिट बताने के लिए कहो। पर यह खेल खेलते हुए इस बात का ध्यान रखो कि जिस एज-ग्रुप के बच्चों के साथ यह गेम खेल रहे हो, उसे ऐसे शब्दों का विपरीत शब्द बताने के लिए कहो, जिसे वह समझ सके।

टंग ट्विस्टर

तुम अपने लिए एक अच्छा-सा टंग ट्विस्टर चुन लो और उसे सही तरीके से बोलने की प्रैक्टिस करो। इससे किसी एक चीज पर तुम ध्यान केंद्रित कर पाओगे।

कुछ दिलचस्प टंग ट्विस्टर्स

चंदू के चाचा ने चंदू की चाची को चांदनी रात में चटनी चटाई
कच्चा पापड़, पक्का पापड़
पीला पपीता, पका पपीता
हरा पपीता, कच्चा पपीता

ये सभी फन गेम हैं। अगर तुम सीरियसली इन्हें खेलने लगोगे तो इसका असर भी अधिक होगा और मजा भी आएगा। यह तुम्हारा प्ले टाइम है और उसका भरपूर मजा उठाओ और साथ में अपनी याददाश्त भी बढ़ाओ।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

卐 हे प्रभु यह तेरा-पथ 卐

'परिवार का निर्माण करना, अब हम सब के हाथ मैं, 'हे प्रभु यह तेरापन्थ' अब आपके साथ मैं'

भगवान महावीर का सन्देश

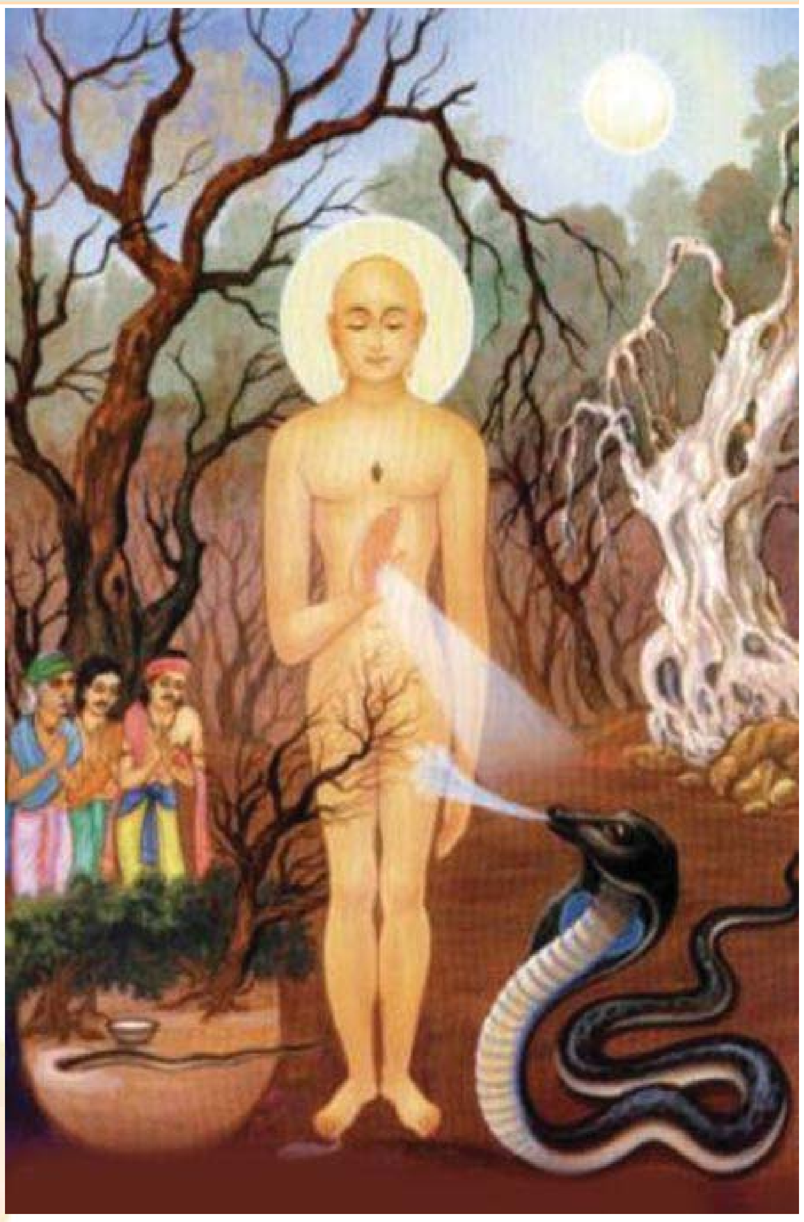

विश्व कों अंहिसा का पाठ पढानेवाले भगवान महावीर ने सत्य कि खोज में राजमार्ग कों त्यागकर कांटो भरा पथ अपनाया. एवं स्वय के द्वारा जिए गे सत्य कों नई परिभाषा दी , जब मानव समाज विषमता और हिंसा के चक्रव्यू में फंसा हुआ था, ऐसे कठिन समय में भगवान महावीर ने 'जियो और जीने दो' का संदेश जन साधरण तक पहुचा कर विश्व बन्धुत्व और विश्व शांति का मार्ग प्रशस्त किया. पूर्ण विश्व में एकमात्र जैन धर्म ही इस बात में आस्था रखता हैं की प्रत्येक आत्मा में परमात्मा बनने की शक्ति विद्यमान हैं. अर्थात भगवान महावीर स्वामी की तरह ही प्रत्येक व्यक्ति जैन धर्म का ज्ञान प्राप्त करके उसमे सच्ची आस्था रखकर, उस अनुसार आचरण (कर्म) करके बड़े पुण्योदय से उसे प्राप्त दुर्लभ मानव योनी का 'एक मात्र सच्चा व अंतिम सुख' संपूर्ण जीवन जन्मा-मरण के बंधन से मुक्त होने वाले कर्म करते हुए मोक्ष महाफल पाने हेतु कदम बढ़ाना तथा उसे प्राप्त कर वीर महावीर बन दुर्लभ जीवन की सार्थक कर सकता है.

जियो और जीने दो : *भगवान महावीर स्वामी द्वारा इस सन्देश में संपूर्ण जैन धर्म का आधार व्यक्त किया गया हैं.*

भगवान महावीर स्वामी ने हमें अहिंसा का पालन करते हुए सत्य के पक्ष में रहते हुए किसी के हक को मारे बिना किसी को सताए बिना, अपनी मर्यादा में रहते हुए पवित्र मन से, लोभ लालच किये बिना, नियम से बंधकर सुख दुःख में समभाव में रहते हुए आकुल व्याकुल हुए बिना धर्मसंगत कर्म करते हुए 'मोक्ष पद' पाने की और कदम बढ़ते हुए दुर्लभ जीवन को सार्थक बनने का दिव्य सन्देश दिया हैं. क्या आपने वीर महावीर स्वामी बनने के पथ पर कदम बड़ा दिए हैं या यूँही दुर्लभ जीवन के बहुमूल्य पल गँवा रहे हो? जागो भाई जागो, फ़िर मौका मिले न मिले. भगवान महावीर स्वामी की जन्म जयंती एक बार फ़िर हमें अपने ही कल्याण हेतु जगाने आ गयी है. हमें इसे बड़े धूम धाम हर्षोल्लास के साथ मानते हुए अपने कल्याण का सूत्रपात इस पावन पवित्र दिवस से प्रारंभ कर देना चाहिए.

अंहिसा के अवतार भगवान महावीर स्वामी जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर हैं. इनका जन्म ईसा से 599 वर्ष पहले गणतन्त्र वैशाली के क्षत्रिय कुण्ड़लपुर में, चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को हुआ. पिता सिद्धार्थ व माता त्रिशला की यह तीसरी संतान वर्द्धमान ही बाद में महावीर बने. विश्व को अंहिसा का पाठ पढ़ाने वाले भगवान महावीर को 'वीर' 'अतिवीर' और 'संमति' भी कहा जाता है. भगवान महावीर स्वामी ने 30 वर्ष की आयु में एकाकी दीक्षा धारण कर ली.

महावीर जी ने आत्मिक और शाश्वत सुख की प्राप्ति हेतु पाँच सिद्धांत बताये. सत्य, अंहिसा, अपरिग्रह, क्षमा और ब्रह्मचय. 'अपने प्रवचनों में इन्ही पर सबसे अधिक जोर दिया. भगवान महावीर द्वारा दिया गया सन्देश - 'जियो और जीने दो' में सम्पूर्ण जैन धर्म का आधार व्यक्त किया गया है. उनके अनुसार यदि तुम जीना चाहते हो तो दूसरे को भी जीने दो. तभी तुम जी सकते हो. अन्यथा नही. दूसरों की सुख शान्ति भंग मत होने दो, तभी सच्ची सुख शान्ति प्राप्त हो सकती है.

भगवान महावीर नें चतुर्विध संघ की स्थापना की. मुनि, आर्यिका, श्रावक और श्राविका. प्रथम दो वर्ग गृहत्यागी परिव्राजको के लिए और अंतिम दो ग्रहस्थों के लिए. यही उनका चतुर्विघ संघ कहलाया. भगवान महावीर स्वामी का जीवन त्याग और तपस्या से ओत-प्रोत था. उन्होने हमेशा हिंसा, पशुबली, जाति-पाति का पुर्नजोर विरोध किया. उनके अनुसार सत्य के पक्ष में रहते हुए किसी के हक को मारे बिना, किसी को सताए बिना, अपने मर्यादा में रहते हुए पवित्र मन से, लोभ लालच किए बिना, नियम से बंधकर सुख-दुख में समान आचरण करके ही दुर्लभ जीवन को सार्थक किया जा सकता है.

त्याग, संयम, प्रेम, करुणा, शील और सदाचार ही उनके प्रवचनों का सार था. देश के भिन्न-भिन्न भागों में घूमकर अपना पवित्र सन्देश फ़ैलाया. 72 वर्ष की अवस्था में ईसापूर्व 527 में पावापुरी में कार्तिक कृष्ण अमावस्या को भगवान महावीर स्वामी ने निर्वाण प्राप्त किया।

भले ही आज भगवान महावीर स्वामी हमारे बीच नही है हैं लेकिन उनकी वाणी आज भी लाखों मुमुक्षुओं के लिए मार्ग दर्शन कर रही है.

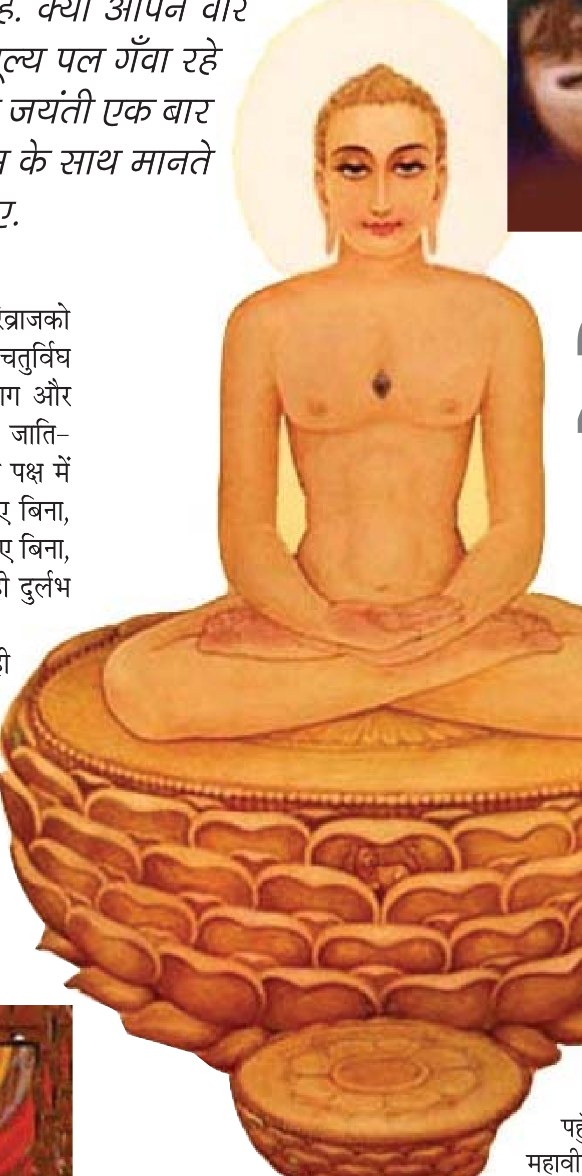

24वें तीर्थंकर

महावीर स्वामी

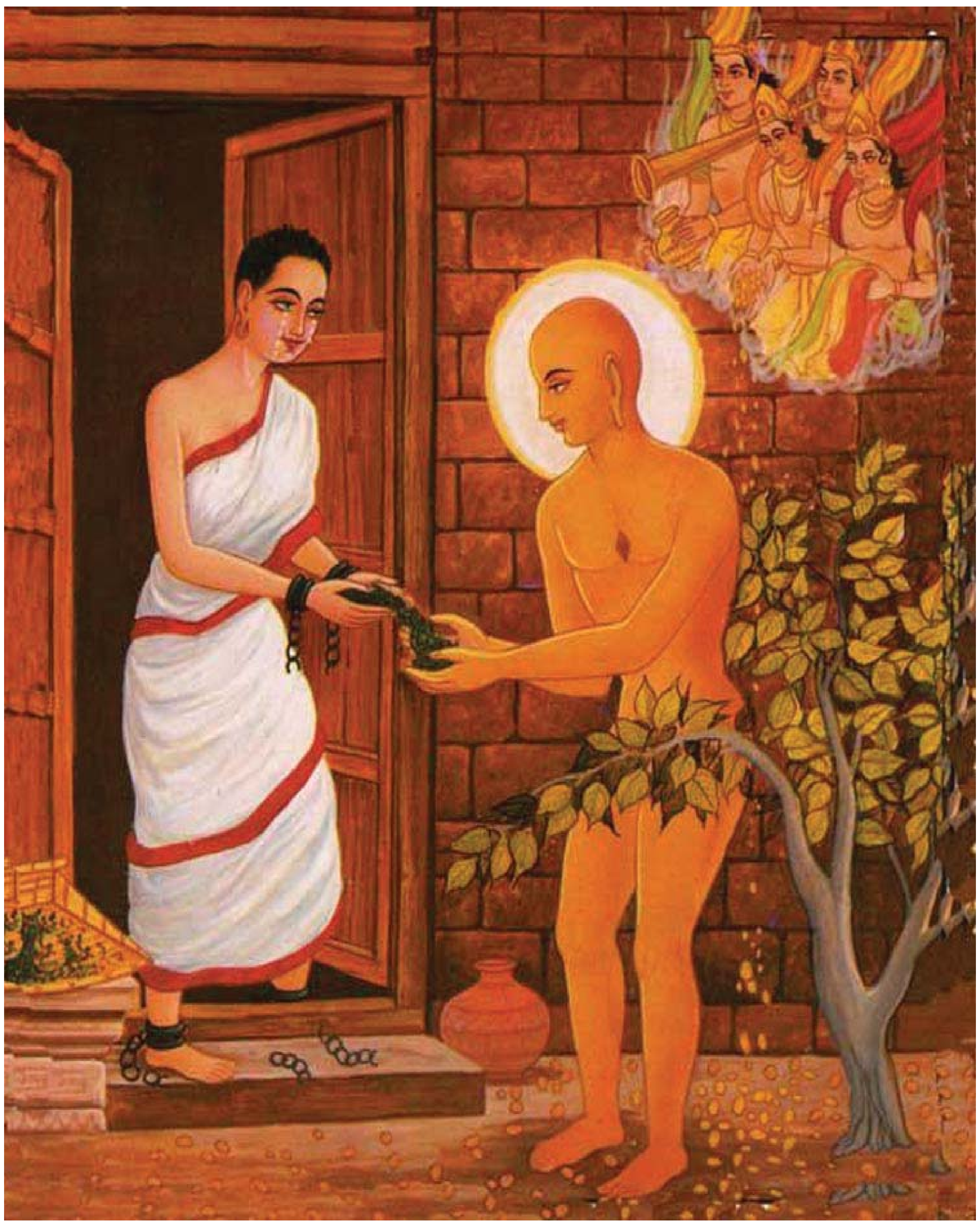

24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के मूर्तिमान प्रतीक थे। उनका जीवन त्याग और तपस्या से ओतप्रोत था। एक लँगोटी तक का परिग्रह नहीं था उन्हें। हिंसा, पशुबलि, जाति-पाँति के भेदभाव जिस युग में बढ़ गए, उसी युग में पैदा हुए महावीर और बुद्ध। दोनों ने इन चीजों के खिलाफ आवाज उठाई। दोनों ने अहिंसा का भरपूर विकास किया। करीब ढाई हजार साल पुरानी बात है। ईसा से 599 वर्ष पहले वैशाली गणतंत्र के क्षत्रिय कुण्डलपुर में पिता सिद्धार्थ और माता त्रिशला के यहाँ तीसरी संतान के रूप में चैत्र शुक्ल तेरस को वर्द्धमान का जन्म हुआ। यही वर्द्धमान बाद में स्वामी महावीर बना। महावीर को 'वीर', 'अतिवीर' और 'सन्मति' भी कहा जाता है। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले का आज का जो बसाढ़ गाँव है वही उस समय का वैशाली था। वर्द्धमान को लोग सज्जंस (श्रेयांस) भी कहते थे और जसस (यशस्वी) भी। वे ज्ञातृ वंश के थे। गोत्र था कश्यप। वर्द्धमान के बड़े भाई का नाम था नंदिवर्धन व बहन का नाम सुदर्शना था। वर्द्धमान का बचपन राजमहल में बीता। वे बड़े निर्भीक थे। आठ बरस के हुए, तो उन्हें पढ़ाने, शिक्षा देने, धनुष आदि चलाना सिखाने के लिए शिल्प शाला में भेजा गया। श्वेताम्बर सम्प्रदाय की मान्यता है कि वर्द्धमान ने यशोदा से विवाह किया था। उनकी बेटी का नाम था अयोज्जा (अनवद्या)। जबकि दिगम्बर सम्प्रदाय की मान्यता है कि वर्द्धमान का विवाह हुआ ही नहीं था। वे बाल ब्रह्मचारी थे। राजकुमार वर्द्धमान के माता-पिता जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ, जो महावीर से 250 वर्ष पूर्व हुए थे, के अनुयायी थे। वर्द्धमान महावीर ने चातुर्याम धर्म में ब्रह्मचर्य जोड़कर पंच महाव्रत रूपी धर्म चलाया। वर्द्धमान सबसे प्रेम का व्यवहार करते थे। उन्हें इस बात का अनुभव हो गया था कि इन्द्रियों का सुख, विषय-वासनाओं का सुख, दूसरों को दुःख पहुँचा करके ही पाया जा सकता है। महावीरजी की 28 वर्ष की उम्र में इनके माता-पिता का देहान्त हो गया। ज्येष्ठ बंधु नंदिवर्धन के अनुरोध पर वे दो बरस तक घर पर रहे। बाद में तीस बरस की उम्र में वर्द्धमान ने श्रामणी दीक्षा ली। वे 'समण' बन गए। उनके शरीर पर परिग्रह के नाम पर एक लँगोटी भी नहीं रही। अधिकांश समय वे ध्यान में ही मग्न रहते। हाथ में ही भोजन कर लेते, गृहस्थों से कोई चीज नहीं माँगते थे। धीरे-धीरे उन्होंने पूर्ण आत्मसाधना प्राप्त कर ली।

वर्द्धमान महावीर ने 12 साल तक मौन तपस्या की और तरह-तरह के कष्ट झेले। अन्त में उन्हें 'केवलज्ञान' प्राप्त हुआ। केवलज्ञान प्राप्त होने के बाद भगवान महावीर ने जनकल्याण के लिए उपदेश देना शुरू किया। अर्धमागधी भाषा में वे उपदेश करने लगे ताकि जनता उसे भलीभाँति समझ सके। भगवान महावीर ने अपने प्रवचनों में अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह पर सबसे अधिक जोर दिया। त्याग और संयम, प्रेम और करुणा, शील और सदाचार ही उनके प्रवचनों का सार था। भगवान महावीर ने श्रमण और श्रमणी, श्रावक और श्राविका, सबको लेकर चतुर्विध संघ की स्थापना की। उन्होंने कहा- जो जिस अधिकार का हो, वह उसी वर्ग में आकर सम्यक्त्व पाने के लिए आगे बढ़े। जीवन का लक्ष्य है समता पाना। धीरे-धीरे संघ उन्नति करने लगा। देश के भिन्न-भिन्न भागों में घूमकर भगवान महावीर ने अपना पवित्र संदेश फैलाया। भगवान महावीर ने 72 वर्ष की अवस्था में ईसापूर्व 527 में पावापुरी (बिहार) में कार्तिक (आश्विन) कृष्ण अमावस्या को निर्वाण प्राप्त किया। इनके निर्वाण दिवस पर घर-घर दीपक जलाकर दीपावली मनाई जाती है। हमारा जीवन धन्य हो जाए यदि हम भगवान महावीर के इस छोटे से उपदेश का ही सच्चे मन से पालन करने लगें कि संसार के सभी छोटे-बड़े जीव हमारी ही तरह हैं, हमारी आत्मा का ही स्वरूप हैं।

महावीर स्वामी की शिक्षाएँ

आओ बच्चो मिलकर आओ
आज तुम्हें कुछ बातें बताऊँ
महावीर के जन्मदिवस पर
उनके कुछ उपदेश सुनाऊँ

....

कभी किसी से झूठ न बोलो
सच्च के लिए अपना मुँह खोलो
जब भी कभी बोलना चाहो
तो पहले शब्दों को तोलो
रखो सदा ही सच्च को साथ
चाहे दिन हो चाहे रात
किसी की कभी न करो बुराई
मीठी वाणी मे सबकी भलाई

....

कभी कोई गलती कर जाओ
तो माफी से मुक्ति पाओ
माफी माँगना या फिर करना
नहीं कभी कोई इससे डरना
रखो सबसे मैत्री भाव
छोड़ो सबपे यह प्रभाव
क्षमा से बडा न कोई उपहार
होते इससे उच्च विचार

....

कभी न हिंसा किसी पे करना
सबसे ही मिलजुल कर रहना
सबमें एक ही जैसी जान
नहीं करना किसी का अपमान
छोड़ो सारे वैर-विरोध
कभी न मन में लाना क्रोध

....

बच्चो यह सब बातें समझना
अच्छाई के मार्ग पर चलना
महावीर के शुभ वचनों का
जीवन में सब पालन करना

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में 11 नए पीएसए ऑक्सीजन प्लांट को मिली मंजूरी, जल्द होंगे शुरू : शाह

गांधीनगर।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार ने गुजरात में 11 नए पीएसए ऑक्सीजन प्लांट लगाने की मंजूरी दी है और वे जल्द ही चालू होंगे।

शाह ने शनिवार को गुजरात में गांधीनगर जिले के कोलवड़ा में कोविड डेजीगनेटेड अस्पताल में 280 पीएसए ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन करने के बाद यह जानकारी दी। ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन करने के बाद गृह मंत्री ने कहा कि कोलवाड़ा में 66 रोगियों का इलाज चल रहा है, जिन्हें आज (शनिवार) से ऑक्सीजन की सुविधा प्रदान की जाएगी। इस प्लांट से रोगियों को प्रति मिनिट 280 लीटर ऑक्सिजन मिलेगी, साथ ही आकस्मिक समय के लिए यहां ऑक्सीजन सिलेंडर भी उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे मरीजों को कोई असुविधा न हो। शाह कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश भर में एक विशेष अभियान शुरू किया गया है, जिसमें पीएम केयर फंड से ऑक्सीजन उपलब्ध कराने की योजना के तहत केंद्र सरकार ने गुजरात में 11 नए पीएसए ऑक्सीजन प्लांट लगाने की स्वीकृति दी है। ये प्लांट जल्द ही चालू हो जाएंगे और इनमें उत्पादित ऑक्सीजन की अतिरिक्त मात्रा अन्य राज्यों में पहुंचाई जाएगी। उन्होंने कहा कि गुजरात एक औद्योगिक राज्य है, जहां अधिक ऑक्सीजन का उत्पादन किया जा रहा है, जिससे दूसरे राज्यों को मदद मिलेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल और गांधीनगर जिले के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। गुजरात के मुख्यमंत्री रूपाणी और उपमुख्यमंत्री पटेल को उनके संसदीय क्षेत्र में ग्रामीण नागरिकों को उपलब्ध कराई गई सेवाओं के लिए बधाई देते हुए, अमित शाह ने कहा कि कोरोना की पहली लहर में कड़ी मेहनत करते हुए उन्होंने जो काम किया है, उन्हें विश्वास है कि इस दूसरी लहर में भी, हम कोरोना को हराएंगे और गुजरात के नागरिकों को इस महामारी से बाहर लाएंगे और उनकी रक्षा करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि टाटा संस और डीआरडीओ के सहयोग से गांधीनगर के हेलीपैड ग्राउंड में 600 आईसीयू बेड की सुविधा के साथ 1200 बेड का अस्पताल जल्द ही चालू हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इसके लिए काम शुरू किया गया है और जल्दी ही नागरिकों को इसका लाभ मिलेगा।

पर्रिकर मुझे लंबी रेस का घोड़ा मानते थे : गोवा सीएम सावंत

पणजी।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शनिवार को कहा कि वर्षो पहले, जब उन्होंने राजनीति में अपनी अपनी पारी की शुरुआत की थी, उनके गुरु और पूर्ववर्ती, दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर ने उनकी पहचान लंबी दौड़ का घोड़ा के रूप में की थी। शनिवार को अपने जन्मदिन के अवसर पर एक टीवी साक्षात्कार के दौरान सावंत ने यह भी कहा कि उन्होंने विधायक के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान विधानसभा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री बनने का सपना नहीं देखा था। सावंत ने कहा, मुझे भाई का एक बयान याद है। 2008 में, जब मुझे मीडिया के सामने पेश किया गया था, तो एक मीडियाकर्मी ने उनसे मेरे ओर इशारा करते हुए पूछा था, आपने अमोनकर के बदले इन्हें टिकट क्यों दिया है? सुरेश अमोनकर राज्य के पूर्व भाजपा अध्यक्ष थे, जिन्हें भाजपा नेतृत्व ने उपचुनाव में टिकट देने से इनकार कर दिया था और उनके बजाय सावंत को टिकट दिया। पर्रिकर को गोवा में भाई के रूप में जाना जाता था। सावंत ने कहा, मुझे अब भी वो सवाल याद है। भाई ने उनसे कहा था- ये लंबी रेस का घोड़ा है। वह मेरी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस थी। मुझे नहीं पता कि भाई ने उस समय मुझमें क्या देखा था। मैंने भी नहीं सोचा था कि इस उम्र में, विधायक के रूप में मेरे दूसरे कार्यकाल में, मैं स्पीकर और मुख्यमंत्री बनूंगा। मैंने इस बारे में कोई सपना नहीं देखा था। सावंत जो सनक्लिीम विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं, शनिवार को 48 साल के हो गए। वहे 2019 में पर्रिकर की जगह मुख्यमंत्री बने थे।

चंडीगढ़ में सप्ताहांत लॉकडाउन टला

चंडीगढ़।

चंडीगढ़ प्रशासन ने शुक्रवार को इस बार के सप्ताहांत के लॉकडाउन को रद्द करने का फैसला किया। इसके अलावा कोविड-19 महामारी को रोकने के लिए एक सप्ताह का बंद नहीं करने का फैसला किया। इस संबंध में निर्णय, अन्य लोगों के अलावा, यूटी प्रशासक वी.पी. सिंह बदनोर की अध्यक्षता में एक बैठक में लिया गया। बैठक में, यह बताया गया कि चंडीगढ़ में 4,273 सक्रिय मामले हैं, जबकि पास के पंचकूला और मोहाली शहरों में क्रमशः 2,493 और 7,171 सक्रिय मामले हैं। शहर के सभी चिकित्सा संस्थानों में ऑक्सीजन की उपलब्धता की स्थिति की समीक्षा करते हुए, बदनोर ने संतोष व्यक्त किया कि एक संयंत्र के चालू होने के साथ ही, केंद्र शासित क्षेत्र में ऑक्सीजन की कमी नहीं है।

पीआर पर खर्च न करें, वैक्सीन और ऑक्सीजन पर ध्यान लगाए केंद्रः राहुल

नई दिल्ली।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को पीआर पर पैसा खर्च करने के बजाए देश में फैली महामारी का डटकर मुकाबला करने की केंद्र से अपील की है। राहुल गांधी ने एक ट्वीट में कहा, मैं केंद्र सरकार से विनम्रता के साथ अनावश्यक पीआर परियोजनाओं पर पैसा खर्च न करने और वैक्सीन, ऑक्सीजन की उपलब्धता और स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करने की अपील करता हूं, क्योंकि आने वाले दिनों में संकट और गहरा होगा और देश को इसके लिए तैयार होना चाहिए। मौजूदा स्थिति असहनीय है। भारत में नए कोविड-19 मामलों और मौतों की संख्या में भारी उछाल आया है। शनिवार को स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 24 घंटों में कुल 3,46,786 कोविड मामले दर्ज किए गए, और 2,624 मौतें हुईं। यह लगातार तीसरा दिन है जब भारत में 3 लाख से अधिक कोविड मामले सामने आए।

फाइटर जेट तेजस की टेक्नोलॉजी से बनाई जाएगी ऑक्सीजन, 1 मिनट में 1,000 लीटर ऑक्सीजन का होगा उत्पादन

कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर बहुत ही खतरनाक है. इस समय भारत में ऑक्सीजन की बहुत ज्यादा कमी हो रही है, जिस वजह से चारों तरफ तबाही मची हुई है. सरकार सीजन की कमी दूर करने को कई कदम उठा रही है. भारत ने ऑक्सीजन की कमी को दूर करने का एक नया तरीका निकाला है. कोविड-19 से लड़ाई में उस रक्षा तकनीक का प्रयोग किया जाएगा, जिसे ऑनबोर्ड ऑक्सीजन जनरेशन सिस्टम के तौर पर जाना जाता है. इस टेक्नोलॉजी की मदद से ही तेजस फाइटर जेट में ऑक्सीजन की सप्लाई होती है. इस ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट की मदद से 1 मिनट में 1000 लीटर ऑक्सीजन का उत्पादन होगा. **OBOGS** यानी एक लाइफ सपोर्ट सिस्टम की मदद से लिक्विड ऑक्सीजन सिस्टम यानी **LOX** की जगह एयरक्राफ्ट के इंजन से निकलने वाली हवा का प्रयोग कर और इसके अणुओं को एक प्रकार की छलनी जिसे जोलाइट कहते हैं, उससे प्रेशर स्विंग एडसॉरप्शन टेक्नोलॉजी की मदद से अलग करती है. इस सिस्टम में दो **molecular sieve** की दो पर्त होती हैं, जो ऑक्सीजन के साथ होती है. इसकी मदद से ही एयरक्रू को लगातार ऑक्सीजन की सप्लाई होती रहती है. इस तकनीक को प्राइवेट इंडस्ट्री को ट्रांसफर किया जा चुका है. बता दें कि उत्तर प्रदेश सरकार ने तो डीआरडीओ को इस तरह के पांच प्लांट के आर्डर दे दिए हैं.

डीआरडीओ के चेयरमैन सतीश रेड्डी की तरफ से उस सप्लीमेंटल ऑक्सीजन डिलीवरी सिस्टम की पेशकश भी की गई है, जिसे सियाचिन जैसी जगहों पर तैनात सैनिकों के लिए प्रयोग किया जाता है.

18 से अधिक उम्र के लोगों को वैक्सीन लगवाने पर सरकार का होगा कितना खर्च, सबसे ज्यादा बोझ होगा बिहार पर

कोरोना वायरस की दूसरी लहर के बाद केंद्र सरकार ने यह घोषणा कर दी है कि 1 मई से देश में 18 साल से अधिक उम्र के लोगों का वैक्सीनेशन शुरू हो जाएगा. गुरुवार को इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने एक रिपोर्ट पेश की, जिसके मुताबिक 18 साल से अधिक उम्र की आबादी को वैक्सीन लगवाने पर भारत की जीडीपी का 0.36 फ़ीसदी खर्चा होगा. केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर कुल 67,193 करोड़ रुपए खर्च करेगी. राज्यों को वैक्सीनेशन पर सबसे अधिक खर्चा उठाना पड़ेगा. 18 से 44 वर्ष की आयु के लोगों के वैक्सीनेशन पर राज्य सरकारों को 46,323 करोड़ खर्च करने होंगे. सबसे ज्यादा बोझ बिहार पर पड़ेगा. बिहार को राज्य जीडीपी का 0.6 फ़ीसदी वैक्सीनेशन पर खर्च करना होगा. जबकि उत्तर प्रदेश को 0.47 फ़ीसदी खर्चा करना होगा. सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के प्रमुख अदार पूनावाला ने हाल ही में वैक्सी की नई कीमतों की भी घोषणा की थी. वैक्सी राज्य सरकारों को ₹400 प्रति डोज और प्राइवेट अस्पतालों को ₹600 प्रति डोज के हिसाब से दी जाएगी. कोविड-19 महामारी के दूसरे लहर से देश की अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ने वाला है. कई तरह की आर्थिक समस्याएं खड़ी होने वाली हैं. करेल, छत्तीसगढ़, बिहार और मध्य प्रदेश सरकारों ने यह घोषणा कर दी है कि वह अपने राज्य में वैक्सीनेशन के लिए किसी तरह का कोई चार्ज नहीं लेगी. पूरा खर्चा सरकार ही उठाएगी.

बढ़ते कोरोना के बीच बॉर्डर पर साफ सफाई का रखा जाएगा ध्यान : एसकेएम

नई दिल्ली।

देशभर में बढ़ते कोरोना मामलों के बीच दिल्ली की सीमाओं पर धरना दे रहे किसानों ने शुक्रवार को एक बैठक की, जिसमें संयुक्त किसान मोर्चा ने निर्णय लिया कि किसानों के मोर्चो पर सेनिटेशन व साफ-सफाई का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाएगा। किसानों को मास्क बांटे जाएंगे। मोर्चा के अनुसार, प्रशासन ने धरने के आसपास वैक्सीनेशन सेंटर बनाए हैं। वहां किसान जाकर वैक्सीन लगवा सकते हैं। लक्षण दिखने पर जांच करवाई जाएगी। मोर्चो पर किसान पहले ही दूर-दूर खुले में रह रहे हैं। कहा गया है कि संयुक्त किसान मोर्चा कृषि कानूनों के खिलाफ होने के साथ-साथ कोरोना के खिलाफ भी लड़ रहा है। किसान मोर्चा द्वारा बयान जारी कर कहा गया, कोरोना लॉकडाउन में जब सब लोग घरों में कैद थे तब आपदा में अवसर खोजते हुए, सरकार ने किसान विरोधी व जन विरोधी कृषि कानून देश पर थोपे। स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान देने की बजाय कॉरपोरेट घरानों को खुश रखने के सभी प्रयास सरकार ने किए। आज भी भाजपा के लिए चुनाव महत्वपूर्ण है न कि देश की जनता। भाजपा नेताओं के पास यह विकल्प है कि वे चुनावी रैली करें या न करें, पर किसानों के पास विरोध करने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। किसान अपना विरोध वापस ले लेंगे, अगर सरकार खेती कानून वापस ले व एमएसपी पर कानून बना दे। सरकार कोरोना से लड़ने में असफल रही है। किसानों के धरनों से कितने लोगों को कोरोना हुआ है यह सरकार को सिद्ध करना चाहिए बजाय इसके कि किसानों के खिलाफ प्रोपगंडा फैलाएं। कोरोना महामारी का पिछली बार भी किसानों के खिलाफ प्रयोग किया गया था व अब भी हो रहा है।

केरल में आरएसएस की 6 सीटों की भविष्यवाणी, भाजपा को 12 सीटों की उम्मीद

तिरुवनंतपुरम।

जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव की मतगणना की तारीख जितनी पास आती जा रही है वैसे ही अब भविष्यवाणी तेज होती जा रही है। 2 मई को होने वाली गणना को लेकर आरएसएस ने छह सीटों की भविष्यवाणी की है, जबकि भाजपा 12 सीटों की उम्मीद कर रही है। वहीं युवा प्रदेश अध्यक्ष के सुरेंद्रन ने कहा कि ना ही लेफ्ट और ना ही राइट को केरल में बहुमत मिलेगा। हालांकि, सत्तारूढ़ सीपीआई-एम नेतृत्व लेफ्ट और कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष ने भविष्यवाणी की है कि 2016 के विधानसभा चुनावों में बीजेपी का खाता खुला था, जब वह एक सीट जीती थी, इस बार बंद हो जाएगी, 140 सदस्यीय केरल विधानसभा में एक भी सीट नहीं जीतेगी। 6 अप्रैल को राज्य में विधानसभा चुनाव समाप्त होने के तुरंत बाद नरेंद्र मोदी मंत्रिमंडल में अकेला केरल के विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने कहा कि भाजपा ने 27 निर्वाचन क्षेत्रों शानदार लड़ाई लड़ी है। शुक्रवार को, आरएसएस की शीर्ष इकाई की केरल इकाई को छह निर्वाचन क्षेत्रों में भारी उम्मीदें हैं, जिसमें राज्य की राजधानी जिले के नेमोम में जीती सीट, मंजेश्वरम, पलक्कड़, त्रिशूर काजाखूटम और वट्टीयोर्कवु शामिल हैं। उपरोक्त छह के अलावा जीतने वाली सीटों की भाजपा सूची में उन्होंने कासरगोड, चथानूर, मालमपुझा, कोझीकोड उत्तर, कट्टकडा और मनालूर जैसी सीटों पर अपना दांव लगाया है। हालांकि, सुरेन्द्रन बार-बार यह कहते रहे हैं कि यह भाजपा ही होगी जो निर्णायक होगी, अगर भाजपा 35 सीटें जीतने में कामयाब होती है, तो केरल में भाजपा नेतृत्व वाली सरकार होगी। भाजपा के केरल में चुनावों में प्रदर्शन की बात करें तो 2014 के लोकसभा चुनावों में भाजपा का वोट प्रतिशत 10.33 प्रतिशत था, जो 2016 के विधानसभा चुनावों में (उन्होंने 140 में से एक सीट जीती थी) 15.10 प्रतिशत पहुंच गया था और 2019 के लोकसभा चुनावों में यह 15.6 प्रतिशत था। 2015 के स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा ने 13.28 प्रतिशत वोट शेयर हासिल किया और लगभग 21,000 सीटों में से 1,200 सीटें जीतने में कामयाब रही और पिछले साल के चुनावों में, सुरेंद्रन की भविष्यवाणियांसपाट हो गईं। हालांकि, मतगणना के दिन बस कुछ ही दिनों के लिए, जब प्रतिद्वंद्वी मोचरें ने लगभग 80 सीटों पर जीत की भविष्यवाणी की है, जो कुछ भी देखा जाना बाकी है, कोई भी जीतता है या हारता है, एक बात निश्चित है, चुनाव में हारने वाला कहेगा विजेता का भाजपा के साथ मौन संबंध था।

देश के सत्संग भवनों को कोविड वैक्सीनेशन सेंटर बनाया

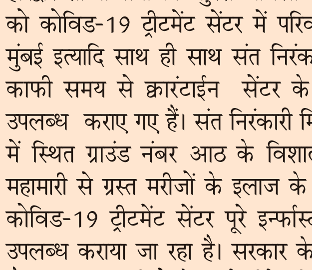

हरिद्वार। सदगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के आशीर्वाद से संत निरंकारी मिशन की ओर से भारत के सभी सत्संग भवनों को कोविड़ वैक्सीनेशन सेंटर बनाने का प्रस्ताव भारत सरकार को दिया गया। जिसकी मंजूरी के उपरांत भारत के सैकड़ों निरंकारी सत्संग भवन कोविड-19 के टीकाकरण सेंटर में परिवर्तित हो चुके हैं। हरिद्वार शाखा संयोजक सुरेश चावला ने बताया कि कई निरंकारी भवनों को कोविड-19 ट्रीटमेंट सेंटर में परिवर्तित किया जा रहा है। उधमपुर, मुंबई इत्यादि साथ ही साथ संत निरंकारी मिशन की कई सत्संग भवन काफी समय से क्वारंटाईन सेंटर के रूप में सम्बंधित प्रशासनों को उपलब्ध कराए गए हैं। संत निरंकारी मिशन की ओर से बुराड़ी रोड दिल्ली में स्थित ग्राउंड नंबर आठ के विशाल सत्संग भवन में कोविड-19 महामारी से ग्रस्त मरीजों के इलाज के लिए 1000 से अधिक बैड का कोविड-19 ट्रीटमेंट सेंटर पूरे इन्फ्रास्टक्चर के साथ दिल्ली सरकार को उपलब्ध कराया जा रहा है। सरकार के सहयोग से इस ट्रीटमेंट सेंटर में बैड इत्यादि व मरीजों के खाने पीने की व्यवस्था तथा देश भर में लगातार रक्तदान शिविरों का आयोजन भी किया जा रहा है। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने स्वास्थ्य विभाग की टीम एवं संत निरंकारी मंडल के सेक्रेटरी जोगिंदर सुखीजा के साथ इस स्थान का निरीक्षण किया और संतुष्टि प्रकट करते हुए इस स्थान पर संत निरंकारी मिशन की ओर से कोविड-19 ट्रीटमेंट सेंटर बनाने की अनुमति भी प्रदान की स्वास्थ्य मंत्री ने मिशन की ओर से की गई इस पहल के लिए सदगुरू माता सुदीक्षा जी महाराज का हृदय से धन्यवाद किया।

पंचायत दिवस पर उत्तराखंड की 10 पंचायतों को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

प्रधानमंत्री मोदी ने वर्चुअल माध्यम से देहरादून, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, पौड़ी और पिथौरागढ़ की पंचायतों को दिया पुरस्कार

224 पंचायतों को दिया गया 'दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार'

देहरादून। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के मौके पर प्रदेश की 10 पंचायतों को आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पूरे देश भर से कुल अलग-अलग श्रेणियों में 224 पंचायतों को दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। इसमें उत्तराखंड की देहरादून जिले की 4, उत्तरकाशी की 3 और रुद्रप्रयाग, पौड़ी और पिथोरागढ़ एक-एक पंचायत शामिल है। इस बार कोरोना संक्रमण की वजह से प्रधानमंत्री द्वारा इन पुरस्कारों को वर्चुअल तरीके से वितरित किए गए। इतना ही नहीं पुरस्कार पाने वाले इन पंचायतों को 5 लाख से 50 लाख तक की पुरस्कार राशि भी हस्तांतरित की गई। मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने पुरस्कार पाने वाले सभी पंचायत प्रतिनिधियों को शुभकामना दी है, मुख्यमंत्री के कहा कि पंचायतों के विकास लिए राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। सचिव पंचायती राज हरीश सेमवाल ने बताया कि ÷दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार÷ के तहत जिला पंचायत पिथौरागढ़, क्षेत्र पंचायत जखोली-रुद्रप्रयाग, क्षेत्र पंचायत द्वारीखाल-पौड़ी, ग्राम पंचायत सिमलास ग्रांट -डोईवाला देहरादून, ग्राम पंचायत मथ, पुरोला उत्तरकाशी, ग्राम पंचायत देवजनि मोरी उत्तरकाशी एवं ग्राम पंचायत पुरोहित वाला सहसपुर देहरादून को पुरस्कृत किया गया। जबकि नानाजी देशमुख राष्ट्रीय गौरव ग्राम सभा का पुरस्कार ग्राम पंचायत दिवाडी नौगांव उत्तरकाशी, ग्राम पंचायत विकास योजना का पुरस्कार ग्राम पंचायत अटक फॉर्म सहसपुर देहरादून एवं बाल हितैषी ग्राम पंचायत पुरस्कार बादाम वाला सहसपुर देहरादून को दिया गया है। वहीं राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2021 प्रदान किए। राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2021 कई श्रेणियों के अंतर्गत दिए गए। 224 पंचायतों को 'दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार' से पुरस्कृत किया गया। 30 ग्राम पंचायतों को 'नानाजी देशमुख राष्ट्रीय गौरव ग्राम सभा पुरस्कार' दिया गया। 29 ग्राम पंचायतों को 'ग्राम पंचायत विकास योजना पुरस्कार' दिया गया। 30 ग्राम पंचायतों को 'बच्चों के अनुकूल ग्राम पंचायत' पुरस्कार मिला। ग्रामों के अलावा 12 राज्यों को 'ई-पंचायत पुरस्कार' भी प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री अनुदान सहायता के रूप में 5 लाख रुपये से 50 लाख रुपये तक की पुरस्कार धनराशि हस्तांतरित की गई। यह राशि रियल टाइम आधार पर पंचायतों के बैंक खाते में सीधे हस्तांतरित की गई। देश में ऐसा पहली बार किया गया है।

सीबीआई ने महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री के खिलाफ केस दर्ज किया, कई ठिकानों पर छापेमारी

मुंबई। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शनिवार को कहा कि एजेंसी ने कार्यालय और भ्रष्टाचार के दुरुपयोग के आरोपों की अपनी जांच में आगे बढ़ते हुए, महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख और कई अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जांच एजेंसी यहां कई स्थानों पर तलाशी ले रही है। जांच से जुड़े सीबीआई के एक सूत्र ने आईएएनएस को बताया, सीबीआई ने देशमुख के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों के संबंध में एक एफआईआर दर्ज की है, और विभिन्न स्थानों पर तलाशी चल रही है। सूत्र ने कहा कि एजेंसी ने एफआईआर में अनिल देशमुख और कई अन्य का नाम लिया है। हालांकि, स्रोत ने सीबीआई द्वारा तलाशी लिए जा रहे परिसरों के बारे में नहीं बताया। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सीबीआई को 6 अप्रैल को रिश्वत और कार्यालय के दुरुपयोग के आरोपों की जांच करने के लिए कहा था। न्यायालय के फैसले के तुरंत बाद, देशमुख अपने पद से हट गए थे।

कोविड मरीजों को भर्ती कराने के लिए मांगे 1.5 लाख, एक गिरफ्तार

ठाणे। मुंबई से सटे ठाणे शहर में कोरोना संक्रमण से पीड़ित दो मरीजों को अस्पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती कराने के एवज में प्रत्येक से डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए एक डॉ.परवेज अजीज शेख (42) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार ठाणे के महापौर नरेश म्हस्के को शिकायत मिली थी कि कोविड-19 के दो मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराने के एवज में रिश्वत ली गई है जबकि अस्पताल में इलाज की सुविधा मुफ्त है। इस पर, महापौर ने ठाणे महानगरपालिका के अधिकारियों को पुलिस में मुकदमा दर्ज कराने के निर्देश दिए। बाद में मनपा ने पांच लोगों के खिलाफकपूरबावड़ी पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने फ़िलहाल डॉ.परवेज अजीज शेख को गिरफ्तार किया। डॉ. शेख को अदालत में पेश किया गया और उन्हें 28 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। अन्य लोगों के नाम हैं, कोविड अस्पताल के केंद्र प्रमुख डॉ. नाज़नीन, ठेकेदार ओम साई आरोग्य केयर प्राइवेट लिमिटेड और डॉक्टरों के सहयोगी मोहम्मद आबिद खान, ताज शेख तथा अब्दुल गफ्फार खान. पुलिस ने कहा कि आईपीसी की धारा 420, 386 और 34 के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने इस बात का खुलासा करने से इनकार कर दिया कि वे अन्य आरोपियों के खिलाफ कब कार्रवाई करेंगे।

युवती को धमकने वाले पर मुकदमा

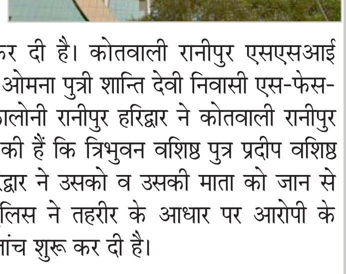

हरिद्वार। एक युवती ने उसको व मां को जान से मारने की धमकी देने का मामला रानीपुर कोतवाली में एक युवक पर दर्ज कराया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ कार्यवाही शुरू कर दी है। कोतवाली रानीपुर एसएसआई विक्रम धामी ने बताया कि ओमना पुत्री शान्ति देवी निवासी एस-फेस-3 म0न0-20 शिवलोक कालोनी रानीपुर हरिद्वार ने कोतवाली रानीपुर में तहरीर देते हुए शिकायत की हैं कि त्रिभुवन वशिष्ठ पुत्र प्रदीप वशिष्ठ निवासी तहसील परिसर हरिद्वार ने उसको व उसकी माता को जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)